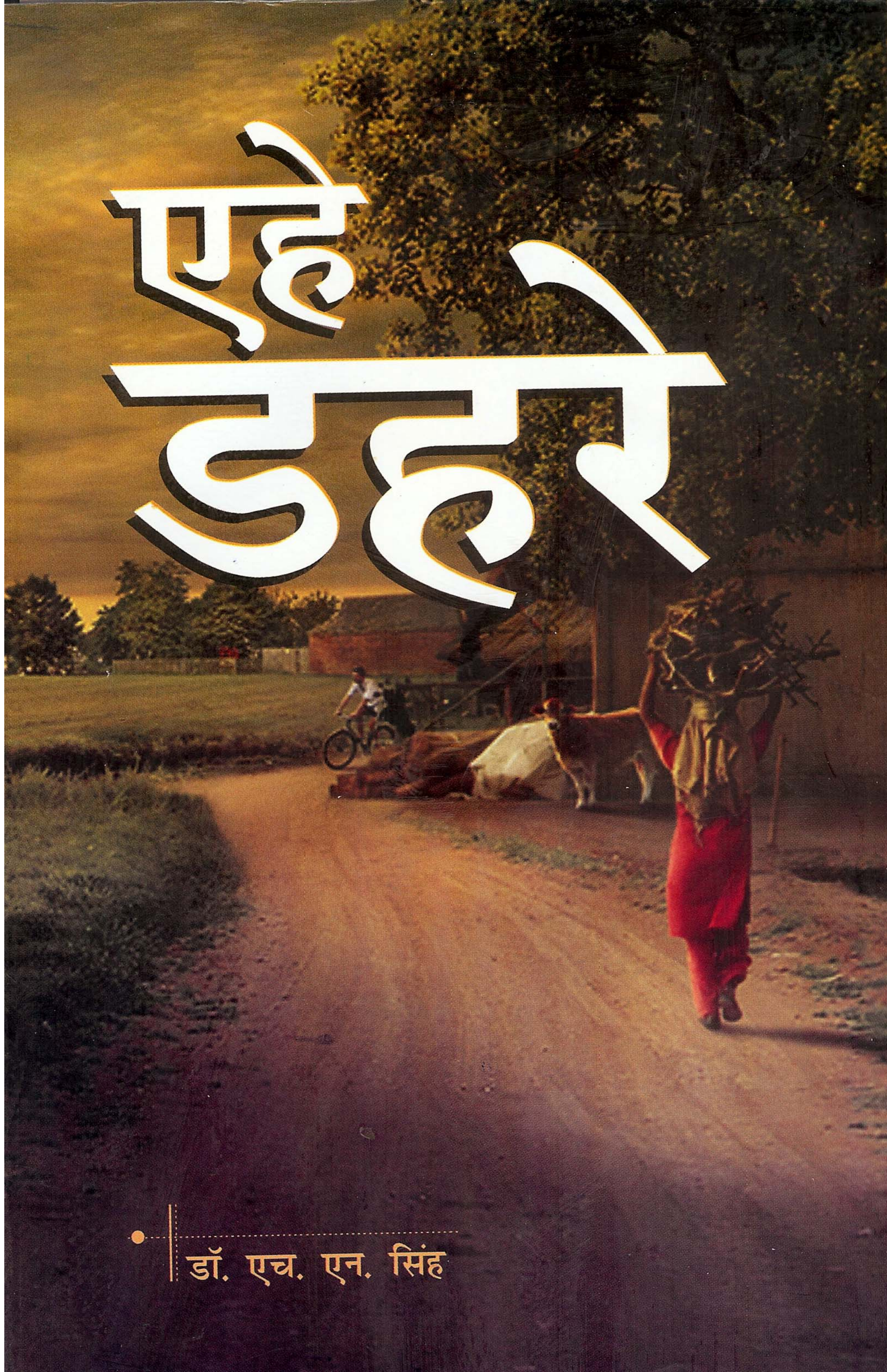
एहे डहरे



डॉ. एच. एन. सिंह

एहे डहरे

(शिक्षाप्रद कुरमाली लघु निबन्ध, कहानी संग्रह)

लेखक

डॉ. एच. एन. सिंह

इंस्टिच्यूट फॉर सोशल डेवलपमेंट एण्ड रिसर्च

गाड़ी होटवार, राँची - 835217 (झारखंड)

एहे डहरे

ISBN : 978-93-84686-52-9

द्वितीय संस्करण : 2017

प्रकाशक :
इंस्टिच्यूट फॉर सोशल डेवलपमेंट एण्ड रिसर्च, राँची, झारखण्ड.

Email :
isdr.ranchi@yahoo.com, isdr.ranchi@gmail.com

लेजर कम्पोजिंग :
एम. एल. कम्प्यूटर, गाड़ी होटवार, राँची, झारखण्ड.

मूल्य: 120.00

श्रद्धास्पद

माता स्व. दुर्गा देवी

एवं

पिता स्व. अर्जुन सिंह

को

अंतःकरण से समर्पित

आपंन बात

एखन कुरमाली भाखा/भाषाकर मेट्रिक ले एम. ए. तड़िक पढ़ाइ-लिखाइ हेइ रहल आहेइक। इ भाखा ढेइर जाइगांइ छितरल-पसरल आहेइक। सेइतेहेँ भाखा माहान रिचिक-आधेक तफाद पावाल जाहेइक आर बानानकर समस्या एकटा बड़ा समस्या बनी गेल आहेइक। पेति पथि लिखेइयाइं आपन मनेक अनुजाइं एके सबदकर बानान भिनु-भिनु लिखल आहात, लिखऽहत आर लिखले जाहात। जखन तड़िक भाखाकर मानकीकरन ना हेइक, तखन तड़िक बेस पथि नि लिखाल जाइ पारेइक। दरकार आहेइक उच्च स्तरीय पथिक संगे-संगे भिनु-भिनु बिधा माहान लिखेक। भाषाक बिकासेक खातिर नाना-निगिध रकमेक पथिक दरकार। देखाल जाहेइक कुरमाली साहित्यकारेक बेसी झूंक पइद सिरजेक बाटे। जखन तड़िक बेसी भागे गइद माहान ना बेसी लिखाल जाइक, तखन तड़िक ना भाषा माहान एकरूपता आवे पारेइक आर ना भाषाक विकास। सेइतेहेँ बेसी दरकार आहेइक गइद रचना कर।

इ पथिटाइं आकाशवाणी राँची ले प्रसारित हेल मर किछु बार्ता के जाइगा देल गेल आहेइक। जन बार्तागिला हियां देवाल गेल आहेइक, इ गिलाक लेइके छवाक संगे-संगे पेति लग के जाना बेजाइं दरकारी। जेसन-बनेक महत, सिक्खाक महत, पर्यावरन, नारी-शिक्षा, राष्ट्रीय-एकता, सर्वधर्म समभाव, पंचायत, जाइत-पांइत, आरऽ आरऽ। इगिला जीबनेक मूल जिनिस हेकेइक। एकटा बेस नागरिकेक तेहेँ इ गिलाक लेइके मटामटि भाभे सभे काके जानेक दरकार आर छवाक तेहेँ तऽ जूनजूना दरकारी हेकेइक। इ पथिटाक सेंस माहान दुइटा लोककथा कोउ जाइगा देल गेल अहेइक। पथिटा तऽ आहेइक छटऽ मनेक धेइ आहेइक बड़ऽ। लिखेइयाक एहे आसा-भरसा जे पढ़ेइयाइं इ पथिटा बेस लागोन चाहे निहिं, इटाक लेइके आपन बिचाार रचइताठीन पाठावता।

रथ-यात्रा, 2017 *-एच. एन. सिंह*

विषय सूची

५·।२ ..

आदि मानुसेक बन-जंगल रहेइन मूल।
गाछ-बिरिछ काटि हामरा आर ना करियो भूल।।

पाइयो हिंआ ले खावन-दावन, अढ़ान-पिंधान।
नेग-चार, पूजा पासाक हेकी, बन हामर बाथान।।

मानुस भाभि देखा मने।
हामर केतना लाभ आहि बने।।

पुरना जुगे पावे हेलियो फल-फूल, कांदा मूला।
पिंधान रहि चाम, पात आर बाकला।।

गाछ-बिरिछे भरल रहेइक हामर गटा थान।
चासे-बासे आर पानीक नि रहि कबोऊ टान।।

आदिकाले सभ देवताक, बनेइ रहेन बाथान।
सोना, चांदी, नाना रतनेक, हिआइं हेकेइक खान।।

पूजा करते आहियो सारेइ, महुआ, आम, करम।
प्रकृति कर पूजाइ हेकेइक सबले बड़ा धारम।।

सभे जीव-जन्तुइं बनेइ, पावे हेला आहार।
बने जंगले पावाइक, नाना धान आपार।।

रिसी मुनिइं हिआंइ, पावला गुन-गेयान।
नाना पथि लिखला, मने करि धेयान।।

राम-सीता, पांडव-द्रौपदीइं बने पावला आसरा।
बन मांये खाय देलेन, सुतेलाइ देलेन, बिछाय आपन आंचरा।।

बनेक जतेक झाड़-झुड़, गाछ, खड़हर, खल।
मानुस, पाइक-पाखुड़, एहेगिलाक रहेन आसा, भरसा, बल।।

घारेक तेहे पावात, कांड-बांस, कंडी, धारना।
दतुन, दड़ा, लाह, केन्द, पात आर खाला-दना।।

जेइड़-सिकड़ बाकला ले बनेइक असद नाना।
गाछ काटि आर कबऊ भूल करिहाना।।

बन-झाड़ रहले बेसि, बनेइक नाला नेदी।
बन काटाले नाना निगिद, हामर हेती बरबादी।।

बने हेकेइक सभ जीव जन्तुक भाइग।
बन ना रहले हामरा किना जरब आइग।।

बन बिना हेती हामर पानीक टान।
बन बांचावा देइके आपन परान।।
गाछ लागावा, ठाना मने आपन।
जेसे साराखन रहोक हेरिहर बन।।
बन रहले हामर जाती सभे जाला।
तरा रिचिक मने बुझी देखा भाला।।
बन माइं गड़लागोहों तके साराखन।
सभ नियार धन-धाने, हामरा के करें परिपूरन।।
आइज बेस बासातेक नित हेले जाहेक टान।
बिन बेस बासाते केसे बाँचे परान।।

मधुमास

वसन्ते देलेइक दांप रहि-रहि
मधु-रस छपलल गटाइ बहि-बहि
        पांज एकर देखालेइक गाछे-पाते
        प्रकृति के पिंछावलेइक नवतन लुगा गाते।
नाना रंग-रूप लेइ प्रकृति जाइ जागि।
फागुन आवल, कहेइ कोयली मंजरी चाखि।
        बन-झाड़, गाछ-पालहा, उठे दागदागाइ
        पिंधल आहि छापा साड़ी, जेसन नवतन केनियाइ।
पारास, कुसुम आम, कुरूंज आर जाम
सभे काकर बदली जाइन गटा गातेक चाम।
        लत, झुंड़, गाछ बिरिछकर झबरल डाइर
        फूले-फले झंझकार, पिंधल जेसन हाइर।
नवतन हुब पराने बहे हादहादाइ
मधुमासे आनेइ नाना रस आनाखाइ।
        रूप एकर कहेइ बने झाड़े बाखानी-बाखानी।
        प्रकृति रानिइं देखावेइ गटा मुलुके आपन कारदानी।
आंगरा नियार देखाइक बने पारास फूल
मधुरस खाय भांवरा हेत मद खाल डुल।
        फुटल, बने धधकी, केतकी, सिमेइर, माधवी फूल
        प्रकृति रूप देखी पेति जीवे भूली जात आपन सूल।
बनेक नवीन रूप देखी मन हरसे।
महमह करे गटा ससागड़ा बासे।
        पाइक-पाखुड़ सभे काकर गाते हेन दुब आपार।
        विरहिनी पिया मिलन तेहें हेइ तेयार।
सभे रीतुकर हेके एहे राजा।
काठेक सार हेकेइक जेसन अकर माजा।
        फागुने होलीइं सभे के करेन फूलेक एकटा माला।
        मानुसे भूली जात भेद-भाव, जाइत-पातेइक जाला।
हामर मुलुकेक बड़ऽ परब मानत सारहुल।
रीझे-रंगे माति, सभे हेत हुलुसथुल।

एकर आवले निहि जाड़, गरम आर घाम
चली जाइक फेदान, सुसति केतनो करले काम।
सभे जीबेक गति, फुरति हुब कर खान।
एहे रीतु हेकेइक ससागड़ाक परान।
आसा-भरसा हामर, बारे-बारे एहे आरदास।
मधुमास छपलि रहोक हियाँ बारह मास।।

सर्व धर्म समभाव आर राष्ट्रीय एकता

सर्वधर्म समभावकर मटामटि माने हेइक सभे धरम के एक नेजेइरे देखा आर राष्ट्रीय एकता कर माने गटा देसेक लग के मिलीमिसी रहा।

हामराक देस भारत दमें बड़ा देस हेकेइक। हिंआ भिनु-भिनु जाइत कर लग रहतला। सभे काकर आपन- आपन धरम, भाखा, नेग-चार आर पूजा-पासाक नियम आहेन। एहे नियार हिंआक लगेक खावन-दावन, अढ़ान-पिंधान, नेग-जग आर चार भिनु-भिनु आहेन। तावे उत्तर ले दखिन, पुरूब ले पछिम, सभे लगेक एके भावना आहेन जे हामरा एक हेकियो आर हामराक देस एकटा हेकी।

हामराक देस भारत भिनु-भिनु चारेक देस हेकेइक। हियाँ हिन्दू, मुसलमान, सिख, इसाई, पारसी, बौद्ध आर जैन धरम कर मानेइया एरिआक-पेरिआ ले आहात। मानुस कर सबले बड़ऽ आर पबितर बिसास कर नाम धरम हेकेइक। इ ससागड़ा माहान बेजाइं धरम आहेइक। जेसन- हिन्दू, मुसलमान, सिख, इसाई, बौद्ध, जैन, पारसी, सारना आरो आरो। लगे मान्धाताक आमल ले एखनो तड़िक धरम मानते आहात। धरम छाड़ा मानुस आर समाज बिन पेंदाक घटि नियार हेकेइक।

जेटा धारन कराल जाइक सेटा के मटामटि भाभे धरम कहाल जाइ पारेइक। मनतुक अकर आसल माने देवी-देवताक चाहे भगवानेक भक्ति, सरधा आर पूजा-पाठ। पूजा-पाठ कर धेइ हेकेइक मनेक आँधार गुचावा। एहे माहान लगे धरम मानते आवहत। धरम संसार माहान बाँचेक आर बेस नियार रहेक एकटा डहर हेकेइक। महाकबि तुलसीदासे धरमेक लेइ-कुहुन कहल आहात-

परहित सरिस धर्म नाहिं भाई।
पर पीड़ा सम नाहि अधमाई।।

एकर माने हेलेइक परेक उपकार करा ले कनऽ बड़ऽ धरम नेखेइक। एहे काथा बेद, पुरान माहानऊ कहाल गेल आहेइक। जखन तड़िक हामरा धरम कर आसल मरम ना जानियो, न बुझियो तखन तड़िक हामराक मुड़े छुआछुत, भेद-भाव, बड़ऽ-छटऽ आर जाइत-पाँतेइक भूत चापाल रहबे करत। हामराक जीवन कर मूल मंतर हेवा चाही-भगवान एक आर हामरा सभ अकर छवा। तबे हामराक मुड़े जे जाइत-पाँतेइक बा भेद-भावकर भूत चापल आहे,

सेटा पाड़ाताक। बुझे हेती जे सभ धरम समान हेकेइक। निसटा कहल जाइक तऽ धरम भगवान ठीन जायेक भिनु-भिनु डहर हेकेइक। आपन-आपन मनेक अनुजाइं लगे भिनु-भिनु धरम मानत। मनेक सभे धरमकर मूल धेइ एकेटा आहेइक। माहात्मा बा महापुरूषे न कनऽ धरम के बड़ा कहल आथिक न छटऽ। बरंच सभे समान हेकेइक। कुरमालीक एकटा कबिताइं जाइत-पाँइतेक, धरम आर एकताक लेइके केसन सुँदर बाखनावल गेल आहेइक-

हरेक जाइत, हरेक पाँइत
आहियो साननिइं सभेकाइ
हामर आहि एक पथ, एक मत
देखी जात गटा जगत टाइं।
हिन्दू, मुसलमान, सिख, खिरिस्तान भाइ
एकर ले भाला कनो डहर नाइ।
सभेकाइ मिलिमिसि, हांसी-खुसी रहा भाइ
निजेक धरम निजेक करम, करा तरा सभेकाइ।

हामराक देसेक चारेक (संस्कृति) अनुजाइं सभे जिउ समान हेकत। सभे धरम माहान भगवानकर महत के मानल आथिक। ससागड़ाक सभे जिनिस अकरे गढ़ल, सिरजल आर सँचल हेकेइक। सभे धरमकर मूल काथा हेकेइक जे भगवान एकेटा आहे, मनेक अकर रूप भिनु-भिनु। सेइ माहान हामरा के सभ धरम के समान भाभे देखा चाही, आदर करा चाही। एहे नि हामर देसेक चारेक मूल काथा हेकेइक- ''बसुधैव कुटुम्बकम् आर बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय।''

कन एसन जीब-जन्तु आहात जारा आपन देस बा मुलुक के भालऽ नि बासथिक? कन एसन आहे जेइं आपन माइभूंइ संग नाता नि राखेइ? मानुस तऽ मानुसे हेकत। पसु-पखी, पाइक-पाखुड़ सभेकाइ आपन देस के भालऽ बासथिक, पेयार करथिक। एहे नि आरो देखाल गेल आहेइक जे गाछ-पात, लत-पतगिलाऊ आपन जनम भूंइएक माटिक अनुजाइं बाढ़ेइक नि तऽ लरूआइ जाइक, बरूआइ जाइक।

जनमभूंइ आबगा माटिए ना लगेइक। उ हामर माइं हेकी। जदि मांए हामरा के जनम देल आही त भूंइमाएँ जीवन। हामराक जीवनेक धेइ हेवा चाही- 'देस हामर आर हामरा देसकर।' भूंइमाएं हामराक सभ किछु हेकी। एकर एकता, हामर एकता, एकर उन्नति, हामर उन्नति, एकर खेमता हामर खेमता हेकी। हिन्दीक एकटा कबिइं ठीके कहल आहातः-

'जिसको न निज गौरव तथा निज देश का अभिमान है।
वह नर नहीं, नर-पशु निरा है और मृतक समान है।'

कहेक माने हेलेइक पेति मानुस के आपन देसेक बाटे टान हेवा चाही।

इ ससागड़ाटा के कतेक देस माहान बाँटाल गेल आहेइक। सभे देसकर आपन-आपन भाखा आर संस्कृति आहेन। इ मइधे हामर देस एकटा डागर देस हेकी। हियांक बसकइताक आपन-आपन भाखा, चार, नेग-जग, खावन- दावन, अढ़ान-पिंधान, रहन-सहन भिनु-भिनु आहेन। सेइ माहान आन देसेक लगेक परतुक नि हेन जे हियांकर लगेक एकता आहेन। मनतुक हामर इतिहास एकर साखी आहेइक जे हामरा भिनु-भिनु स्थिति माहान रहिकोऊ राष्ट्रीय-एकता के बाँचाइ राखल आहियोक।

राष्ट्रीय-एकताक माने हेइक जे कनऽ ठउका जाइगाक लगेक भिनु-भिनु रहन-सहन, आचार-बिचार, खावन -दावन, भाखा आर चार रहेइतकोउ जखन एक हेत, सेटा के राष्ट्रीय एकता कथिक। राष्ट्रीय-एकताक टान माहान हामराक मुलाज सिराइ जाती, हामरा छितिछान हेइ जाब, हामराक देस खाँड़ा-खाँड़ा हेइ जातेइक आर हामराक जे एरिआक-पेरिआक इतिहास आही, सेटा तपाइ जाती।

कखनऽ कखनऽ प्रान्तीयता आर भाखा कर टंठा-टंठी चलेइक। सेटाइं हामराक राष्ट्रीय-एकताक डहर माहान अड़ँगा आवेइक। राष्ट्रीय-एकताक जालाइं देसेक पेति लग के प्रान्तीयता आर भाखा ले ऊपर उठिकुहुन काम करे हेती। एहे नियार जाइत-पाँइत आर धरम कर टंठा-टंठी चलेइक। कारन, एखनो तड़िक हामरा धरम कर अरथ मटामटि भाभेऊ नि बुझे पारलाइहो। इटाइं कना दवा-भवा नेखेइक जदि इ बदगुनगिला गुचि जाइक ताहेले हामराक माटी छुले सना हेतेइक। देसेक पेति लग के आपन सवारथ छाड़िकुहुन काम करे हेती। राष्ट्रीय-एकता बांचाइ राखा आबगा सरकार करे काम ना लागेइक बरंच सभे लग के भालो डहरे डहरे हेती। राष्ट्रीय-एकता तबेइ रहतेइक जबे हामरा धरम कर आसल मरम जानब। राष्ट्रीय-एकताक लेइके हिन्दीकर कबि देवराज दिनेशे ठीके कहल आहात-

एकता की जय
एकता ही करेगी इस राष्ट्र को निर्भय।

साक्षरता अभियान

प्राचीन काले शिक्षाकर क्षेत्र माहान हामर देसकर गौरवशाली इतिहास रहेइक। कहत हियाँलेइ ज्ञानकर आलऽ चाइरोबाटे पसरल रहेइक। रिसि-मुनिराइं बड़ऽ-बड़ऽ नामी पथि लिखल रहत। ज्ञान, विद्या-बुद्धि पावेलाइ बाहेइर ले लग हियां आवे हेला। मनतुक आइज उ स्थिति नेखेइक। हामर देसकर साधीन हेल परे संविधानकर अनुच्छेद 45 माहान 6 बछर ले 14 बछरेक सभे छवाक तेहें 1960 तड़िक मुफुत आर अनिवार्य शिक्षाक बेबसथा करेक संकल्प लेवाल गेल रहेइक। मनेक बेजाइं कसनि करल परोऊ मन-मतन लाभ नि पावालेइक।

शिक्षाकर क्षेत्र माहान महात्मागाँधीकर महत्वपूर्ण योगदान आहेन। अराक बिचार रहेन जे शिक्षा एसन हेवा चाही जेटाइं मन आर गात कर समान विकास हेउक। हामर देसकर पहिला दरकारी जिनिसेक हिसाबे अरा एकटा नवतन शिक्षा-प्रणाली कर सुझाव देल रथिक जाके "बुनियादी" शिक्षाक नामें जानाल जाइक। इ शिक्षा-प्रणाली बहुउद्देशीय रहेइक।

आइज भारत माहान साक्षरता मटेइ 65 प्रतिशत आहेइक आर बेटीछवाक साक्षरता 39 प्रतिशत। एहे नियारे आइज हामर देश माहान साक्षरता मटामटि 37 प्रतिशत आर बेटीछवा माहान केवल 23 प्रतिशत बेटीछवाइ साक्षर आहात।

एसे तऽ हामराक संविधान माहान आहेक जे 14 बछर तड़िकेक छवा के 10 बछरेक भीतरेइ पूरा-पूरी शिक्षित करि देवा चाही। मनतुक एसन नि हेइ पारलेइक। इटा जानाल काथा जे हामर देस गाँवकर देस हेकेइक आर एक सौ माहान आसी लग गाँवेइ रहहत। जखन तड़िक गाँविक लग साक्षर ना हेत तखन तड़िक देस आगुबाटे बाढ़े नि पारेइक, न देसकर विकास हेतेइक आर न उत्थान। साक्षरता अभियान खासकरि के नारीशक्ति के सामिल करेक तेहें साक्षरता आर शिक्षाकर अवसर देवाल गेल आहेइक। इ शिक्षा बा साक्षरता कर धेइ नवतन पीढ़ी के राष्ट्रीय संस्कार देवेक संगे-संगे आपन जिमेदारी समझे-बुझेक हेकेइक। बेटीछवा बा बेटा छवाइं आपन अधिकार आर कर्तव्य के बुझे पारथुक। साक्षर हेलेइ निजे सोचेक, बुझेक, भाभेक खेमता बाढ़तेन आर निजेक गड़े डांड़ाइ पारता। देसकर आर्थिक आर सामाजिक विकास हेतेइक।

निरक्षरता हामर देसेक एकटा गम्भीर समस्या हेकेइक। बेजाइं एसन लग आहात जारा आपन अधिकार आर कर्तव्य नि जानत। छोटानागपुरे ढेइर आगुवे कतेक जाइगाइं निरक्षरता गुचावेक हांतिर अभियान सुरू कराल गेल रहेइक। शिक्षा आर साक्षरता कर महत के सरकार आर समाजे एकटा बेजाइं दरकारी जिनिस बुझीकहन एके पसरावेक आर बाढ़ावेक तेहें कतेक नियार जुगुत करले आवहत। स्व. इंदिरा गांधीइं सन् 1975 माहान 20 सूत्री कार्यक्रम कर घोषणा करल रहत। फेइर 14 जनवरी 1982 माहानऊ नवतन 20 सूत्री कार्यक्रम कर घोषणा करला। इ 20 सूत्री कार्यक्रम माहान शिक्षाक विकासेकर तेहें महत्वपूर्ण आर ठउका काम करेक निश्चित कराल गेलेइक आर शिक्षाकर विकासेक खातिर व्यापक कार्यक्रम चालावल गेलेइक।

संविधानकर अनुजाइं 6 बछर ले 14 बछरेक सभे छवाक तेहें 1990 तड़िक निःशुल्क अनिवार्य शिक्षाकर बेबसथा कराल गेल आहेइक। मनतुक मनेक-मतन प्रगति नि हेइ पारलेइक। सेइ महान 1990 तड़िक 6 बछर ले 14 बछरेक सभे 16 करोड़ 30 लाख छवागिलाकर नाम प्राथमिक विद्यालय माहान लिखिकन औपचारिक किमबा अनौपचारिक शिक्षाकर माध्यमें शिक्षित करेक धेइ रहेइक।

एखन हामराक देसे मटामटि भाभे नौ करोड़ तीस लाख छवा विद्यालय माहान पढ़हत। आवतेइक से बछरे सात करोड़ आरो छवागिला के स्कूल पाठावेक संकल्प लेवाल गेल आहेइक। इटाइं खासकरि के जारा सामाजिक आर आर्थिक रूप माहान पेछुआल समुदाय आर विशेषकरि के बेटीछवागिला के लाभ पहुंचावेक आहेक। अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति, मजदूर, गरीबी रेखा ले हेठें रहेइया लगेक छवा आर विशेष करि के बेटीछवा गिलाके विद्यालय माहान भरती करेक चेसटा कराल जातेइक। पढ़ेक हांतिर मुफुत माहान किताब, पढ़ेक-लिखेक जिनिस, पिंधेक लुगा, छात्रवृति प्रोत्साहनेक तेहें देवाल जाहेइक। गरीब घारेक छवा जारा विद्यालय/स्कूल जाइ के शिक्षा ग्रहन करे नि पारहत तारा के साक्षर बनावेक तेहें अनौपचारिक शिक्षा केन्द्र खोलल जाहेइक।

सिखित समाज देसकर रीढ़ मानाल गेल आहेइक। कनऽ समाजकर उन्नतिक पहचान शिक्षा लेइ जानाल जाइक। ताकर माने सिखित व्यक्ति ले उन्नत परिवार, समाज, व्यक्ति आर देसकर सिरजन-गढ़न हेइक। सभे माइं-बापकर हिंछा रहे हेन जे अराकर छवा-पुताक भभिसत उज्जवल हेउक। मनतुक हिंछा रहेइतकोउ टाका पइसाक टाने आपन छवा के पढ़ावे-लिखावे नि

पारे हेथिन। सेइ तेहें सरकारे सभे काके शिक्षित बा साक्षर बनावेक ठानल आहे आर सन् 2010 तड़िक सौ माहान सौ छवा के शिक्षित करेक आहेइक माने सत प्रतिसत।

शिक्षाकर क्षेत्र माहान झारखण्ड राइजकर लेइके कहियो, तऽ कहाल जाइ पारेइक जे हियां गाँवेक संख्या 27,632 आहेइक जेटाइं प्राथमिक आर मध्य विद्यालयकर संख्या 20,377 आहेइक। मटामटि भाभे पेति गाँवे एकटा स्कूल हेवा चाही के मानिकुहुन देखियो तऽ लगभग 7,255 गाँवे एखनऽ तड़िक प्राथमिक विद्यालय कर सुविधा नेखेइक। सभे गाँव, टोला-महल्ला माहान एक-एकटा विद्यालय हेऊक जाहाँ 6 ले 14 बछरेक सभे छवागिलाइं प्राथमिक शिक्षा आसान भाभे पावोत। एहे धेइ लेइके सरकारे "झारखण्ड ग्राम शिक्षा अभियान" चलावल आहे।

झारखण्ड राइज माहान जन गाँव बा टोला माहान विद्यालय नेखेइक आर जाहाँ 6 ले 14 बछरेक कम ले कम 15 टा छवा आहात आर गाँव बा टोलाक स्कूल 1 किलोमीटर ले बेसी धूरे आहेइक, हुआँ 'झारखण्ड ग्राम शिक्षा अभियान' कर माध्यमें प्राथमिक शिक्षा बेबस्था कराल आहेइक।

सभे छवा के प्राथमिक शिक्षा देवेक राष्ट्रीय नीति आर 93 वां संविधान संशोधनकर अनुजाइं शुरूआती शिक्षा के मौलिक अधिकार मानाल गेल आहेइक। सेइ माहान राइज सरकारे सभे गाँव बा टोला माहान एकटा विद्यालय हेउक जारा 6 ले 14 बछरेक सभे छवा के प्राथमिक शिक्षा देवेक सुविधा पावोत।

एहे धेइ लेइके झारखण्ड सरकारे 'झारखण्ड ग्राम शिक्षा अभियान' के कार्यान्वित करेक संकल्प लेल आहे जेसन जे छवागिला विद्यालय नि जाहात, पेति छवा विद्यालय जाता। गाँव माहानेइ 1 किलोमीटर कर भीतरेइ प्राथमिक विद्यालय कर सुविधा देवाल जातेइक। विद्यालय कर सुविधा घार आवतेइक। 2010 तड़िक अनिवार्य प्राथमिक शिक्षा आर शिक्षित करेक मौलिक अधिकारकर धेइ पूरा हेतेक। लगे भाभे हेला जे शिक्षाकर प्रचार-प्रसार आबगा सरकार करे दायित्व हेकेइक। इ विचार टा बदलतेन आर शिक्षा माहान अराक भागीदारी निश्चित हेतेइक। साक्षरता बा शिक्षा आबगा सरकार करे दायित्व ना लागेइक बरंच पेतिलग, समाज आर समुदायकरो दायित्व हेकेइक। तबेगानि आगुबाटे हामरा साक्षरताक लेइके सार्थक आर ठोस काम करे पारब। एहे नियार पेतिगाँव, पेति टोला माहान एकटा प्राथमिक विद्यालय कर धेइ पूरा हेतेइक।

शिक्षाकर प्रचार-प्रसारेक लेइके राष्ट्रीय संदर्भ माहान देखाल जाइक, तऽ हामरा कहे परियो जे भारत माहान 'सर्व सुलभ प्रारम्भिक शिक्षा अभियान' बा कार्यक्रम चालावल गेल आहेइक। जेटाइ 14 बछरेक सभे छवाक तेहेँ मुफुत आर अनिवार्य शिक्षा देवेक संविधान माहान प्रावधान आहेइक। एहेटाँइ भारत साधीन हेल परे शिक्षा नीतिकर बिसेसता हेकेइक। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 आर कार्ययोजना 1992 माहान निश्चित कराल गेल आहेइक। एहे नीतिक अनुजाइं कतेक नियार योजना आर कार्यक्रम शुरू कराल गेल आहेइक। इ योजनागिलाइं अनौपचारिक शिक्षा, शिक्षक-शिक्षा, महिला समाख्या, विशेष बुनियादी शिक्षा परियोजना सामिल आहेइक।

हाले-हाले मानव संसाधन विकास मंत्रालये कर 2003-04 कर रिपोर्ट कर अनुजाइं 1951 माहान साक्षरता दर 18 ले 33 प्रतिशत रहेइक जेटा 1991 माहान 52 प्रतिशत हेलेइक आर 2001 के बाढ़िकुहुन 65 प्रतिशत हेइ गेल आहेइक। पाइरालेइक से 10 बछरे साक्षरता बाढ़ल आहेइक आर बेसी भागे ग्रामीण क्षेत्र माहान 2001 कर जनगणना अनुसार साक्षरता दर पुरूष माहान 75 प्रतिशत आर महिलाकर 54 प्रतिशत तड़िक पहँचल आहेइक। ताकर माने महिला साक्षरता 10 बछरे 14 प्रतिशत बाढ़ल आहेइक पुरूषकर मटेइ 11 प्रतिशत बाढ़ल आहेइक। महिला साक्षरता 1991 माहान 39 प्रतिशत रहेइक जेटा बाढ़िकुहुन 2001 माहान 54 प्रतिशत हेइ गेल आहेइक। एहे नियार पुरूष साक्षरता दर 1991 माहान 64 प्रतिशत रहेइक आंर एखन बाढ़ि के 75 प्रतिशत हेइ गेल आहेइक। ताकर माने गटा देसे साक्षरता बछरे 13 प्रतिशत बाढ़ल आहेइक। लगभग 29 करोड़ 60 लाख लग एखनऽ निरक्षर आहात। पाइरालेइक से बछरे 10 करोड़ 84 लाख 20 हाजार लग के साक्षर बनावल गेलेइक। एहे नियार साक्षरता--रूपी लता रसे-रसे बाढ़ले जाहेइक। हामराक पुनीत कर्तव्य हेकी जे एके खाद-पानी देइके पाटावते रहियोक।

इटा जानाल आर मानाल काथा हेकेइक जे शिक्षा बिनु लग आइंख रहेइतकोउ आंधा रहहत। चाणक्य के एकठीन कहलाहात- 'वह माता शत्रु है और पिता बैरी है, जिन्होंने अपने बालक को नहीं पढ़ाया।' ताकर माने हामरा माइं-बापकर करम आर धरम हेकी जे आपन छवा के साक्षर करियोन। उपनिषेद महानउ कहाल गेल आहेइक- "अन्धतमः प्रविशंतिये विद्यामुपासते"- ताकर माने विद्या कर बिनु लग आंधा हेत। एहे नियार हामराक प्राचीन पथिमाहानउ लिखल आहेइक- "सा विद्या या विमुक्तये" ताकर माने विद्या,

ज्ञान, शिक्षा, लेइ मुक्ति पावाल जाइ पारेइक। हामराकर पुनीत कर्तव्य हेकी जे साक्षरता रूपी माहान यज्ञ के सफलतापूर्वक सम्पन्न करियोक ताकर माने इ बृहत कार्यक्रम के सफल करेक खातिर तन-मन धन देइ के सरकार के सहजोग करियोग तबेगानि हामर छवा-पुताक जीवन सुखी हेतेन। हामरा के साक्षरता अभियान गाँव-गाँव, घार-घार आर पेति लगठीन, पहुंचावे हेती। इ अभियान के सफल करेक तेहें सरकारी संगठन, गैरसरकारी संगठन, शिक्षक, स्वयंसेवक, लोककलाकार, महिला संगठनगिला के मिली-मिसी कुहुन एक डेग अगुवाइ के काम करे हेती। साक्षरताइ देसकर गुड़ी हेकेइक। एहेटा करे उपर देस, समाज, लगकर विकास, उन्नति आर उत्थान निर्भर आहेइक।

पेरेम परमेश्वर हेके

मटामटि भाभे पेरेमकर माने हेइक:- स्नेह, प्रीति, अनुराग, प्यार, आर प्रियता। एहे नियार परमेश्वर कर माने परमपिता किंबा सृष्टिकर आदि सिरजेता। मटामटि भाभे हामरा पेरेम के दुइ भागे बाखरावे परियोक- 1. आध्यात्मिक पेरेम आर 2. लौकिक पेरेम। आध्यात्मिक पेरेम माहान ईश्वर संग पेरेम करा आर लौकिक पेरेम माहान तिरि-पुरूष, भाई-बहिन अड़ोस-पड़ोसकर लग संगे पेरेम करा बा एक लग संग दसरकर संगे पेरेमी प्रेमकर अपार महत्व आहेइक। कठोर ले कठोर निरदयी लगकोउ पेरेम माहान बस कराल जाइ पारेइक। पेरेम बा प्यार माहान मानुस आर जाबत जीव-जन्तु आहात ताकर दिल जीताल जाइ पारेइक। प्यार माहानेइ हामराक नाता एक दसर संग पाकठऽ हेइक। इ जानाल काथा हेकेइक जे हामरा सभ मानुस भगमान करे सिरजल, गढ़ल हेकियो। भगमाने हामरा सभे काके प्यार करेइ जेसन माये निजेक लुलहा, लांगड़ा बा काना-कुबड़ा छवा के प्यार करेन।

एसे तऽ मानुसेक मने बेजाइं रकमेक भाव रहेहेन मनतुक सबले बड़ऽ आर महत्वपूर्ण भाव हेकेइक प्रेमभाव। प्रेम, दया, उदारता, क्षमाशीलता मानुसकर एसन गुण हेकेइक जाकर लेइ़के आबगा धरमकर पथिइएँ नेखेइक बरंचऽ जतेक महात्मा हेल आहात अरा धरम किमबा ईश्वर के महत ना देइके इ गुणगिला के बेसी महत देल आथिक। इ गुणगिला बेजाइं दामी मानाल गेल आहेइक।

सापटा कहाल जाइक ताहेले कहाल जाइ पारेइक जे पेरेम बा प्यार लेइ सिरजनकर शुरूआत हेल आहेइक। जनदिन पेरेमकर हेला कराल जातेइक अहे दिन सिरजन बन्द हेइ जातेइक चाहे ईश्वरीय पेरेम होउक किमबा मानवीय पेरेम। काहे न मानुसकर सिरजन आर अकर मुक्ति पेरेमकर लेइकेइ हेइक। जदि आदम एकाइ रहे तेलाक अकर संगे हेवाकर भेंट नि हेइ तेलेइक तऽ हुआं लेइ मानुसकर सिरजन सैंस हेइ जाइ तेलेइक। मनेक एसन नि हेलेइक। ईश्वर आर मानुसकर पेरेमकर सम्बंध घने-घने बाढ़ले गेलेन। एहे नियारे मानुसकर संगे मानुसेक पेरेम दिने-दिने बाढ़ले गेलेन। भगवाने मानुस के पेरेम करेक बरदान देल आहेन। सेइ तेहें मानुस पेरेम करेक आर पेरेम पावेक हिंछा करत। भगवाने मानुस के एहेटाइ भाभे, सोचे, बुझेक गेयान देल आहेन, जेसे अरा पेरेमरूपी-लता के पसरावेकटाइं कसनि करोउत।

बुइदगर, गुनीजन आर घाखुर-माहुर लगे कहल आहात जे पेरेमकरा आर पेरेम पावा, जीवन कर सभले बड़ऽ आनन्द हेकेइक। तबे इटा फेड़ ले जानेक हांतिर हामरा के जीवनेक धेइ के जाने हेती आर पेरेमकर महत के बुझे हेती। नितऽ पेरेमकर आसल माने बेंड़ाइ जातेइक। पेरेम एसन हेकेइक जे भिदिड़भांग लग के एकठीन जड़ऽ करेन आर काठेक बझा नियार एकठीन बांधेन। पेरेम ना कबउ मरेक आर ना काकोउ मारेन बरंच मानुस के जियंत राखेन। पेरेमकर गुड़ी माहानेइ इ संसार डंडुआल आहेइक। सेइ माहान पेरेम के मान-सम्मान देवा चाही, आदर करा चाही। पेरेम अनमोल धन हेकेइक। एकर दाम केवे दांजे नि पारत।

इ ससऽगड़ा माहान नाना रकमेक रतन आहेइक। एक ले एक दामी। उ रतनगिला के हुंड़ियाइ के डिमनी, हाड़का, पेटी आर बासका माहान राखाल जाइ पारेइक, हाटे-बाजारे बेचाल जाइ पारेइक। पेरेम एसन रतन हकेइक जे न काकरऽ हाथे बेचाल जाइ पारेइक आर न काकरऽ ठीन ले किनाल जाइ पारेइक। काहे न, इ सतखन बहेइया नेदिक पानी नियार हेकेइक। पेयार सतखन पेयारे रहेहेइक चाहे तिरि-पुरूषेक पेयार हेउक, भाइ बहिनकर पेयार हेउक, अड़ोस-पड़ोसकर पेयार हेउक चाहे मानुस-मानुस कर पेयार होउक। इटा पेति लग के तिरिज करा चाही, मने-मने फांड़ा चाही, जे कने काके केतना पेयार देइ पारेइक बा निजे केतना पेयार पावे पारेइ।

साँचा पेरेम बा पेयार के बासनाकर अढ़नी माहान नि ढांपाल जाइ पारेइक। साँचा पेरेमकर अस्तित्व ससऽगड़ाक सुरू आर सेंस तड़िक रहे हेइक। एकर आरीगुड़ी आसमान ले पड़ापिरथिम तड़िक आहेइक तिरि-पुरूषकर पेयार, मानुस संग मानुसेक पेयार घने-घने ईश्वर कर महिमा के परस्फुट करेइक। सेइ तेहें लगे भगवान के सेवरन करथिक-हे परभु, मके पेरेम भरि दे जेसे तर पेरेम दसर लगकोउ देइ पारेन आर अराक दुख सुख माहान मोंयो एकाकार हेइजाइ पारों।

मटामटि भाभे हामराके जियंत रहेइक माने हेलेइक-काकोउ किछु देवा। किना देवाल जाइ पारेइक? तऽ कहाल जाइ पारेइक-आबगा पेरेम। जीवन करे दसर नाम हेकेइक पेरेम। मानुस संग पेयार कराटाइ हेकेइक ईश्वर संग पेरेम करा। जाहाँ पेरेम आर करूणा आहेइक हुआंइ ईश्वर कर बासा आहेइक। जदि हामरा भगवानठीन ले कनऽ पावेइक बानछा करियो ताहेले हामरा के जाबत मानुस आहात, सभे संग पेरेम करे हेती। काहे न सभे जीव भगमानकरे गढ़ल, सिरजल हेकत। कबि विलियम ब्लेके आपन कविताइं

लिखल आहात–जाहाँ दया, करूणा, पेरेमकर बासा आहेइक हुआँइ ईश्वर करो बासा आहेइक। पेरेमकर लेइके हिन्दी कर भक्तिकालेक सगुण आर निर्गुण कबिइं टाटका आध्यात्मिक पेरेम–भाव करे बरनन करल आहात कबीर दासे कहल आहात– ''ढाई अक्षर पेरेम का, पढ़े सोय पंडित होय' ताकर माने ढाई अक्षर पढ़े करे ना लागेइक बरंचऽ मने–मने भाभेक आहेइक, अनुभव करेक आहेइक। वास्तव माहान तेयागकर बिनु पेरेम नि हेइ पारेइक। पेरेमकर डहर अथाह आर अगाध आहेइक। पेरेमकर डहरेइ जाइ के पेरेमीइं परमानन्द कर दर्शन करे पारत। पेरेम ईश्वर के पावेइक सभ ले भालऽ साधन हेकेइक। एकर बिनु भगवान नि पावाइ पारेइ। सांचा पेरेमकर बरनन नि कराल जाइ पारेइक। एकर रहस्य आबगा पेरेमीइं जानेइ। भगवान पेरेमकर बस माहान रहेइ। पेरेमकर महिमा आथाउ समुन्दर हेकेइक। एकर थाह पावाटा समभव नहेइक।

कनऽ एसन मुलुक नेखेइक, कनऽ एसन आमल नेखेइक, कनऽ एसन समाज नेखेइक जाहां कर संतराइं पेरेमकर महिमाक गुन–गान नि करल आहात। अराकर कहल काथाकर प्रभाव सब जाइगाइं आर सभे काल माहान रहेन। पेति जीव–जन्तु पाइख–पाखुड़ आर मानुसराइं पेरेमकर ताना–बाना बुनल आहात। पेरेमकर लेइके संतराक मइधे कनऽ विवाद आहेन बा कनऽ नियारेक टंठा–टंठी हेल आहेन, एसन कनऽ निमुंद नि पावाल जाहेइक। सभेकाइ पेरेमकर महिमा आर महतकर बाखान करल आहात। कृष्ण, ईसा मसीह, सुकरात आरऽ आरऽ महात्मागिला विशुद्ध पेरेमकर प्रतीक हेकत। महात्मा बुद्धे गरीब–दुखी लगकर हिरदय माहान आशाकर संचार करल रहत।

ईदगाह माहान लग जड़ऽ हेत। आपस माहान एक लगे दसर लग के आंकवाड़ी लेथिन आर आन्तरिक पेरेम परस्फुट करत। एसन बुझाइक जे मानुस मानुस माहान कनऽ फरक नेखेइक, कनऽ ठंढा–टंठी आर न कनऽ मन–मटाव आहेइक। जदि काकरऽ मने कन रकमेक डाह आहेइक, काकर मन खिदर आहेइक, कनऽ नियारेक मने खंट आहेइक तऽ ईदकर समये सेटाव सिराइ जाइन।

दुनियाइंकर कवि, लेखक आर संतराइं कहल आहात जे पेरेम अजर हेकेइक, अमर हेकेइक, पेरेम शाश्वत हेकेइक आर अनन्त हेकेइक। निश्चित रूपे कहाल जाइ पारेइक जे पेरेम सांसारिक ना लागेइक। इटा आत्माकर आवाज हेकेइक। जेटाइं भगवान आर मानुस, मानुस आर मानुस आर दसर जीव–जन्तु कर सम्बंध माहान जीवन के जीवंत करेइक। पेरेम के जदि दसर

नामें डाकाल जाइक तऽ हामरा कहे परियो जे उटा हेकेइक तेयाग, खमा, आर, समरपन। काहे न एकर बिनु लौकिक किंमबा अलौकिक पेयार एक डंड़ नि डांड़ाइ रहे पारेइक। लगे निते भगवानकर सेवरन करहत। मनतुक सांचा प्रार्थना सभे जीव कर तेहें हेवा चाही। पेरेमकर सबले बड़ऽ बिसेसता हेकेइक एकर समभाव आर समरसता। पेरेमकर डहर लेइ पेरेमीइं परमानन्द कर दर्शन करत। रसखान कविइं कहलाहात- पेरेमकर बिना ज्ञान बेकार हेकेइक। पेरेम के जानल परे कनऽ किछु जानेक बाकी नि रहे हेइक। पेरेम स्वयं ईश्वर हेकेइक। पेरेम भगवान ले श्रेष्ठ हेकेइक। काहे न भगवान पेरेमकर बसीभूते रहेसाहे। ईश्वर आर पेरेम दुइयो अगम आर अकथनीय हेकेइक। इ समुन्दर नियार अगम, अमित आर अनुपम हेकेइक। ईश्वर कर पेरेम समस्त मानुस जाइत कर तेहें सतऽखन एक समान रहेहेइक।

महाप्रभु ईसाकर जीवन त्याग-तपस्याकर जीवन रहेइक। अकर उपदेश कर सार रहेइक सरगकर राइज गरीब दुखीक हेकेन। जाराक मन खांटी आर सांचा, अराइ ईश्वर के पावे पारथिक। ईसाकर उपदेश के सुसमाचार कहाल जाइक। गरीब-दुखीक सेवा कराटाइ भगवानकर सबले बड़ऽ सेवा हेकेइक। ईसा मसीह कर शान्ति अनन्त पेरेम लेइ पवित्र आत्मा माहान आत्मसात हेइ गेलेइक। अकरे दया आर पेरेम गटा संसारे पसरि गेल आहेइक। ओंय कहलाहे- ''हे पिता, उन्हें क्षमा कर। वे नहीं जानते कि वे क्या कर रहे हैं।'' ईसा मसीह कर पेरेम संदेश समस्त मानुसेक तेहें अनुकरणीय हेकेइक। तबे पेरेम माहान कनऽ रकमेक स्वार्थ नि हेवा चाही। हामरा के निस्वार्थ पेरेम के बेसी महत्व देवा चाही। सेइ तेहें कहाल गेल आहेइक- ''ईश्वर पेरेम है, पेरेम ही ईश्वर है। ताकर माने पेरेमे परमेश्वर हेकेइक।

झारखण्डकर बन

खंड-खंड माहान झाड़- झाड़खंड। धूर, बेजाइं धूर, जाहाँ तड़िक नेजेइर जातेइक- आबगा झाड़। छटऽ-बड़ऽ गाछेक झाड़, लता-पताक झाड़। एतना झाड़ जे नेजेइर नि पाइरातेइक। चाइरो गिरदा हेरिहर आर हेरिहर। डागर-डागर गाछ, बेजाइं घनऽ। सुरूजेक आहला भूइं नि पहँचेइक। पेदाइं हेरिहर घास, सूखल पात। सूखल पाते दांप देले-राप रापकर साड़ा। सुनले भय। बिना देखी चलले दुसमेक डर। बड़ऽ-बड़ऽ पाखना ताहाँ जानवर रहेइक खल। हियाँ पावत जंगली जानवरे बासा।

हियांक बनेक गाछकर राजा-साल, सारेइ। डागर -डागर सारेइ गाछेक जाहाँ-ताहाँ लाघाइर। गाछेक उपर भिनु-भिनु चेरेइ कर खँधा। इ गाछेक बेजाइं काम। दतुन ले घार बनावेक सभे साना-फाना। आरो गाछेक मइधे कुसुम, आंवरा, पिआर, डुमेइर, पाकेइड़, पीपर, बड़, कुरूंज, पारास, कँठर, आम, जाम। जतेक गाछ ततेक फर आर फूल। पेति गाछेक जेसन नाम तेसन काम। मानुसेक आहार पानीक हियाँइ हेन इन्तजाम। जखन बातास बहेइक- गाछ रिझे माताइ जाइक। सूखल पात चंग नियार उड़े लागेइक। बारऽ मास हियांक बसकइताक बास एहे बने। गरखिया चलला आपन डांगर लेइके एकर भीतरे। गरू- काड़ा चरत इतमीनाने। गरखियाइं बाँसी बाजावेक आपन ताने। कँदऊ काड़ा-गरूक ठारका बाजेक सबद, त कँदऊ सियाड़ेक हुआ-हुआ। तऽ कँदऊ बाघेक गरजन। एक बाटे आनन्दकर वातावरण त दसर बाटे भय कम निहिं।

बेइरसाक दिने बनेक रूप, रंग, गढ़न देखेक लायक। बुझाइक कनऽ बेटीछवाइं हेरिहर साड़ी पिंधल आही। साड़ीक रंग बेजाइं चँहट। नेदी-जुड़िआइं पानी हाबहाबाइक। उपुल-डुबुल हेते रहेइक। घाघ माहान हारहाराइ के पानी गिरेइक। एकर सबद बेजाइं घुर ले सुनाइक। घाघ ले पानीक छिटांस। एसन बुझाइक रूआ उड़ेहेइक। घांसे डहर के ढांपी लेइक। लग बँउड़ाइ जात। बनेक एहे रूप रंग, गढ़हन सभदिन नि रहे हेइक। माघ-फागुन, आवते-आवते उदास हेइ लागेइक। बनेक रंग हेइक उसट। गाछे-लताइं फेंकी देथिक आपन पुरना आभरन के, नावाँ जिनिस पिंधेक जालाइं। चेइत मासे सभे गाछ बिरिछे नावाँ-नावाँ पात, फर आर फूल। पारास गाछेक लाले-लाल फूल आंगरा नियार। लगेक दिसा-गुड्डुम हेन कि इ फूल न आइग? चाइरो बाटे पसरेइक भिनु-भिनु फूलेक बास। काहूँ-काहूँ कुइली कर मीठी आवाज। पाइख-पाखुड़

एक डाइर ले दसर डाइर चुड़पत। जंगली जानवर मस्त हेइ घुरा-फेरा करत। न कनऽ भय न क़नऽ डर। सभ आपन-आपन मनेक राजा। जाहाँ-ताहाँ घुरत निफिकिर।

झारखण्ड कर बन नाना-निगिधकर धन। बनेक बाहरी रूप, रंग जेतना सुन्दर अकर भीतरोऊ अतना धन। लोहा, कोयला, अबरख, सोना, चाँदीक बेजाइं खादान। इ बनकर बेजाइं महत आहेइक अर्थ-व्यवस्था माहान। घार बनावेक साना-फाना कांड़-बांस, कंडी-धारना, खायेक, कांदा-मूला, छातु, काढ़ानी, पुटका, केरिल, महुआ, केन्द पियार, आम, जाम कर डिंग, दवाइ-बीरऽ कर जेइड़-सिकड़ पावाइक। एहे बन हियाँक लगेक आसा, आसरा, भरसा। जाहाँ घना बन हुआँ आहेइक आइग पानी आर अन। जदि बन लहऽलहऽ तऽ मानुस जीवन महऽमहऽ।

प्रकृतिकर परिवर्तन अटल नियम हेकेइक। तावे हियाँक बने वातावरण के बांचाइं राखल आहेइक- आपन आन-मान संग। झारखण्डेक बने तीन रकम कर वनस्पति आहेइक- गाछ, झाड़, आर घास। थेथर, पुटुस, बांस- दुइ सौ ले उपर घांस। लगेक एहे विचार जे जाहाँ जंगल ताहां मंगल। घारे बनावेक जिनिस तेल, दना-पातेइर, छाता, बाढ़िन, सूप, डाला, टंकी, डिमनी बनेइ पावाइक। पेट भरे लाइ फल-डल।

झारखण्डी संस्कृति बनेइ नेजगल, बाढ़ल आर पसरल आहेइक। सेइ हांतिर सारेइ, आम, महुआ, करमकर बेबाक पूजा। गाछ-पात, पाहाड़-टुंगरी नेदी-जुड़िया संग मायेक नाता।

आइज झारखण्डी बनेक अहे रूप, रंग, ढंग, नि रहलेइक। लहऽलहऽ चेहरा देखाहेइक- लुरूआल, सुखल, टाटाल। ठीकेदारे नि रहे देलथिक अकर गढ़न के। देखले आँइखे ढरकेइक लर ढरढर, मन मलीन, जीवन उदास। गाछ गिरलेइक जीवन मरलेइक। कहाल गेलाहेइक- जाहाँ बन, ताहाँ धन।

बनेइ हामर संस्कृति

पेति मुलुककर आपन-आपन चार बा संस्कृति आहेन। इ संस्कृतिकर सिरजन आपन-आपन मुलुकेक हावा-पानी, वातावरण आर वनस्पतिक अनुजाइं बनल आहेइक। हामर देसकर संस्कृति बेजाइं पुरना आर समृद्ध हेकेइक। हामर संस्कृति कहे गेले छोटानागपुरी संस्कृति कहे पारियो आर व्यापक संदर्भ माहान कहे गेले भारतीय संस्कृति। छोटानागपुरी चाहे झारखण्डी संस्कृति कहले बुझाल जाइक जे संस्कृतिककर सिरजन, बाढ़न बन-झाड़ पाहाड़- परबत लेइ हेल आहेइक। जदि भारतीय संस्कृतिकर काथा कहाल जाइक ताहेले कहाल जाइ पारेइक इ संस्कृति करऽ सिरजन-गढ़न आर बाढ़न बन लेइ हेल आहेइक। मटामटि भाभे समाजकर नेग-जग, खावन-दावन, अढ़ान- पिंधान, आचार- बेवऽहार, नियम-धरम, संस्कृतिक भीतरेइ आवेइक। एहे चार बा संस्कृतिकर गढ़न-सिरजन कनऽ एक लगेक करल ना लागेइक बरंच मानुस गोष्ठी ले सिरजाल आर बनावल गेल आहेइक।

ढेइर-ढेइर पुनना जुगेग काथा के उटकि देखले जानाल जाहेइक जे हामर मुलुकेक संस्कृतिकर सिरजन आर बाढ़न बन लेइ हेल आहेइक। एरियाक-पेरिया ले मानुसकर नाता बन संग रहलेन आर बने रहेइया जतेक जीव-जन्तु, पाइख-पखुड़ कर संगोउ आहेन।

मूल रूप माहान लगेक तीनटा दरकारी जिनिस आहेन- खायेक, पिंधेक आर रहेक। इ जिनिसगिला एरियाक- पेरियाक ले एखन तड़िक लगे बन ले पावते आहात। एक रिचिक भाभी देखा। जखन मानुसेक इ ससऽगड़ा माहान सिरजन हेलेन अराक पेहिल बसागत काहाँ रहेन? तऽ हामरा जर देइके कहे पारियो जे सभे मानुसकर बसबास बनेइ रहेइन। एरा हियाँ कनऽ चाटानीक खले किमबा गाछेक उपरे चढ़िकुहुन रहे हेला। काँदा-मूला, फल-डल, खायके रहे हेला आर जेसे-जेसे बुइध हेले गेलेन बाकला चाहे बड़ऽ बड़ऽ पाते गात ढांपी के रहे लागला।

हामर देसेक ढेइर पथिमाहान बनेक महत कर बरनन पावाल जाहेइक। ऋग्वेद माहान लिखल आहेइक-

"वृक्षाद् वर्षति पर्जन्य पर्जन्यादन्न सम्भवः अन्नाद् भवन्ति भूतानि।"
अर्थात् वृक्ष से वर्षा, वर्षा से अन्न और अन्न से जीवन सम्भव है। ताकर माने हेलेइक गाछ-बिरिछ ले बेइरसा, बेइरसा ले अन आर अन ले मानुस-जीवन।

विष्णु पुरान माहान लिखल आहेइक जे गाँवेक आर बनेक मिलीकुहुन चौदह रकमेक असद-धान-गेहूँ, तिल, कोदो, कुरथी, नीवार, वनतिल, मक्का आरऽ आरऽ जिनिसगिला बने पावाइक आर सेइ जिनिसगिला यज्ञ माहान काम आवे हेलेइक। आध्यात्मिक आर भौतिक दुयो रूपे बनकर महत आहेइक। प्राचीन काल माहान पाहाड़-टुंगरी बन-झाड़ गाछ- बिरिछ माहान देपताकर बास रहे हेलेन। हामरा एखनऽ तड़िक बड़ऽ पाहाड़, छटऽपाहाड़, बनदेवी, सारेइ, करम, आम, महुआ गाछ कर पूजा करते आहियो।

हामराक पूर्व पुरूस .रिसि-मुनिराक बसागत बनेइ रहेन। एराक आध्यात्मिक विकास हियांइ हेल आहेन। हियां रहीकुहुन बेद, पुरान, रामायण, माहाभारत आरऽ कतेक पथिकर सिरजन करल आहात। एरा हिआइं तप करे हेला आर लगकोउ सिक्खा देइ हेलथिन। एहे पथिगिलिन पढ़ले जानाल जाहेइक जे उ खनेक राजारा बूढ़ान्ति समये राइज-पाइट छाड़ीकहन बने जाइ के रहे हेला। कनऽ राजा, रानी किमबा लग के डंड़ देले अरा बनेइ आसरा पावे हेला। भगवान राम आर पाण्डव बने निफिकिर रहे हेला। इ ठीन रिचिक भाभेक काथा आहेइक जदि बन जंगल नि रहले एरा काहाँ जाइतेला? एक काथाइं कहे पारियो जे मानुस आर जेतना जीव-जन्तु आहात सभेकाकर आसा-भरसा बने हेकेइक। इ ससऽगड़ाक सभे जीव-जन्तु कर एक दसर संग नाता आहेन। एक दसर कर बिनु केऊ नि बांचे पारत। बेजाइं पशु-पक्षीकर आहार बनेइ पावाइक आर एहे जानवरगिला बनेइ रहऽहत। एहे नियार जे पशुगिला मांसाहारी हेकत अराक आहार तऽ बनेइ पावत। बन मानुसेक तेहेइं दरकारी ना लागेक बरंचऽ इ संसारेक जतेक पाइख-पाखुड़ आर जानवर आहात सभेकाइ बनेइ आसरित आहात।

बन ले हामरा नाना-निगिधकर धन पाइयो। बनेक बिनु मानुस जिनगानी एकदम फाऊ। आदिकाल ले एखन तड़िक हामरा सभकिछु बन लेइ सिखलाइहो।

कनऽ मुलुककर अर्थ-व्यवस्था माहान बनकर बेजाइं महत आहेइक। हामर चासी-बासी मुलुकेक हांतिर तऽ बने सभकिछु हेकेइक। बन माहान आपार धन-दौलत आहेइक। घार बनावेक कांड़-बांस, कंडी- धारना बनेइ पावाल जात। जरेक खातिर सूखल काठ, पात-पालहा, खायेक तेहें कांदा-मूला, छातू, काढ़ानी, पुटका, केरिल, तुम्बा, महुआ केन्द, पियार, आम, जाम, कइर आर कतेक रमेक फर पावाल जाइक। दावाइ बीरऽ कर खातिर जेइड़-सिकड़ पावाइक। बनेक लता-पता लेइ दड़ा, बांस ले छाता, बिड़ी बनावेक तेहें

केन्दपात, खाला-दना, फीका बनावेक लाइ सारेइ पात, दतुन आर लाह जेसन दरकारी जिनिस बनेइ पावाइक। बनेक पचल पात-पालहागिला ले साइर बनेइक। बनेइ सभे रकमेक खनिज देरिब पावाल जाइक। बन-पाहाड़ लेइ बेसी नेदी कर जनम हेल आहेइक। बन-झाड़ रहले बेसी बेइरसा हेइक।

गरीब लगेग तेहैं बन बेजाइं दरकारी आर उपकारी हेकेइक। एखनो हामराक देहातेक बेजाइं लग बनेइ पसाहात। बनेक नाना किसिमेक जिनिस बेची-किनीकुहुन पेट चालावहत। रिचिक मने तिरिज करा जदि बन जंगल पाहाड़-परबत ना रहलेइक तबे किना हामरा एकऽ दिन जियंत रहे पारियो? कहाल जाइ पारेइक एकदम निहिं। बन संग हामराक माइं-बेटाक नाता आही। अकरे दारा हामराक लालन-पालन।

बनकर संगे-संगे हामराक नाता बने रहेइआ चेरेइ- चुनगुनी आर बनैला पशु संग आही। इ जानवरगिला हामराक तेहैं बेजाइं दरकारी। हरिन ले कस्तुरी एसन दामी जिनिस पावइक। हाथी दांतकर नाना रकमेक जिनिस हेइक। कतेक एसन जानवर आहात जाराक चाम ले किसिम किसिमकर जिनिस बनेइक। इ सभ जानवर कर रहेइक जाइगा हेलेन बन। जदि बन ना रहेइक ताहेले इ जन्तुगिला काहाँ रहता?

एकटा दुखेक काथा जे आइज बन-जंगल काटाले जाहेइक। जदि एहे नियार काटाले-सिराले जाइक ताहेले ना पाइख-पाखुड़, जानवर रहता आर ना हामरा बाँचब, न हामर संस्कृति बांचती। जदि बन रहतेइक लहऽलहऽ त हामर जीवन करती महऽमहऽ। हामर बनकर महत के देखी के हामरा कहे पारियो जे हामर संस्कृति बनकर संस्कृति किमबा अरण्य संस्कृति हेकी। सेइ तेहैं हामर भावी पीढ़ीक जालायं बन कर झंकमारी रइखा करा हामर पहिल काम आर पुइन हेकी। बनेक एतेक बेसी महत के देखीकुहुन हामर स्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधीइं कहल आहात- 'मानव का अस्तित्व जीव-जन्तुओं और वनस्पति के अस्तित्व पर निर्भर है।'

चासा

चासा- इ ससऽगड़ाक आसा आर भरसा। सुरूज भगवानेक उठेक आगु जागत। खाड़रा मुड़, हेंड़रो गात, डाँड़ाइं गामछा, कांधे हार, खालीगड़, हाँथे पइना लेइके गुरूक पेछुइं चलत अनगुते हार जते। तखन बेसकरि न लग चिनहात आर न डहर देखाइक। सुरूज भगवान के झंकमारी उठे हेइक आलो देखावे लाइ। दमें सवांग लागाइ के कदाइर जखन माटी काटत, मुंह ले बाहराइन हेंक-हेंक कर साड़ा। बसमता माइं के नेहर करी कथिक-बसमता माइं तर पेट ले अन-धन दे। नित चासाकर हाथ जड़ी एहे नेहर।

निरन मास हेउक चाहे जाड़मास किमबा बेइरसा मास। आपन धांधाइं लागल रहऽहत बारह मास। न घारेक फिकिर, न परिवारेक आर न छवा-पुताक। एहे फिकिर जे माटी ले केसे भिनु--भिनु रकमेक अन उपजावत। एराक नितकर संगी हेला एराक डाँगर। मन करले कबऊ-कबऊ फेदान गुचावे लाइ रिचिक- आधेक निकास धरे लाइ आराम करत।

निरन मासेक दिने काम करत तखन घामें चेहरा एसन देखाइन जेसन माटिक मुरूत् के घाम तेले माखावल डुल। भरखर रउदे खेते काम करत तखन गात देखाइन तेलिया सांप नियार। घामें गात सरबर हेइ जाइन। रउदे गात पड़ि के करिया हेइ जाइन, तावे मने कनऽ रकमकर फिकिर नाइ। निरदंदी आपन काम करले जात।

एहे नियार झामझाम बेइरसाइं कादा खेते काम करत तखन एसन बुझाइक जे बादेइरे अराक केरिया गात के धइ पंछी साफा करेलाइ उपर ले पानी उंझली देन। बछर दिनोउ कबउ गाते बेस आंगा निहि तावे मने कनऽ फिकिर निहिं। जाड़ेक मासे गाते झांझरा लुगा। कहत- ''जतेक लुगा ततेक जाड़, नि कापाड़ियाक पाथर आड़।''

चासा आपन काम-पाइटेइ मातल रहऽहत। एराक दुनियाइं संग कनऽ नाता नि रहे हेन। जीवने कनऽ जिनिसेक लास निहि। केतनो, कटकिनाइं न चेहरा गसवाल देखाइन आर न मसवाल। जखन गटा संसार सुतल रहेहेइक तखन खेते पानीक जालाइं चासा चौकीदार नियार जागल रहइत। भूखे आर दुखे लरूआवे नि पारेन चासा के। पृथ्वीक गति नियार अनवरत चासा चलत आपन डहरे। दमतक खाटीकुहुन माटी ले अन अरजत। निजे खात आर दसर लगकंउ खावावथिन। चासाइं हेकत जाबत जीव-जन्तुक पेट भरेइया। आध पेट

खायकउ सभे प्राणीक पेट भरत। डाँगर एराक जीवन कर असली संगी हेकथिन। कनऽ एसन मास नेखेइक जे एरा बसी रहहत। एराक एके विचार- ''खाटबे तऽ चाटबे।''

चासेक कामें न काकरो डर आर न खशामदी। जेइं रउदे, पानीइं आर जाड़े काम करत ताकर डर किना? भूख आर दुख सहल लगेक केथिक भाभना? छाती उरनाइ के कहे पारत जे अराक ठेघाइं ठेघल इ संसार। ससऽगड़ाक चासा, सभ जीवनकर आसा।

चासाक भोजन/आहार मटामटि गुंदली, मड़ुआ, जनहाइर। माड़-भात आर साग खाइ के खुशी मने रहत। भविसतेक कनऽ चिन्ता निहिं। केवे राउ काढ़ले मुचकी हाँसी के चाल देथिन। खाली गड़े रहलउ न कांटा खँचाक डर आर न ठेस बजड़ कर भय। पड़ा पिरथिमेक चासा हेकत सभे जीव-जन्तुक भरसा। तर बिनु ना बांचे परान, तोंय देसेक राखले मान। सतखन रहे हेन डाँगर बाटे आपन टान। खाटी-खाटी माटी हेलोउ गात, तावे नि पावले लुगा-भात।

बेइरसाक दिने जेसन गाछ- पातेक रूप, रंग, गढ़न हेरिहर तेसने चासाक मन सभ दिन हरहर। जाहाँ चासा, ताहाँ लखी मायेक बासा। चासा हेकत देसेक मुंधेइन खूंटा। एरा हेकत बसमता माइंकर आसल छवा। सेइतेंहें बारह मास बसमता माइंकर कराइं बसल रहऽहत। माटी कड़िकुहुन चास करत, झाड़ -झंखड़ आर पाथर काटिकुहुन डहर बनावत। चासाक बुताइं सभे काकर पेट भरेहेन आर बाँचल आहात। एराक न मान-सनमानकर फिकिर आहेन आर न अपमान कर डर। सभे दसाइं मने एके भाव। चासाक मन जाड़े, निरन आर बेइरसाक पाथर नियार अडिग। पँवार बिछाइ के सुतत आर ससऽगड़ाक सभे सुख पावत।

चासाइ हेकत इ ससऽगड़ाक विष्णु भगवान रूप। ससऽगड़ाक पालनहार हेकत। सभे पाइख-पाखुड़ आर मानुस चासाकर अरजल अन-धन खात। बेइमानी आर अन्याय ले बिसुम डारात। चासा त्याग आर तपस्याकर साइखात मूरति हेकत।

नागरिकेक अधिकार आर कर्त्तव्य

नागरिकेक अधिकार आर कर्तव्य जानेक पहिल हामरा के जाने हेती जे नागरिक कन? नागरिक सबद टा नगर ले बनल आहेइक। जाकर माने हेइक नगरेक बसकइता। नगर बा सहरेक बसकइता माने बुझाल जाइक चतुर किमबा सियान लग। आगुक पेरियाइं नगरेक बसकइता केइ नागरिक कहे हेलथिन। तखन नगरगिला केइ राइज माने हेलथिक। जे बड़ऽ नगर रहे हेलेइक सेइ आस-पासेक जाइगागिला अहे नगर टाईं मेसाल रहे हेलेइक। उ नगरटा माहान जे बसकइतारा रहे हेला अराक नाता राजनीतिक संग रहे हेलेन। सेइ माहान नगरेक रहेइया के राजनीतिक मानाल जाइ हेलेइक। मनतुक एखन नागरिक सबदेक बेजाइं बड़ऽ अरथ आहेइक। नागरिक अहे हेके जे सहरे रहोक बा देहाते, बेटीछवा हेउक चाहे बेटा-छवा, पढ़ल-लिखल हेउक बा बेपढ़ल-लिखल, जाके भोट देवेक अधिकार आहेइक आर जाके सरकार बाटे ले किछु राजनैतिक अधिकार आर कर्त्तव्य देवाल गेल आहेइक। मटामाटि भाभे कहे परियो जे कनऽ देसेक लग अहे देसेक नागरिक मानाल जाइ, जाके सरकार बाटे ले नागरिक अधिकार देवाइक बार सरकारेक प्रति किछु कर्तव्य रहेहेन।

इ जानाल काथा जे मानुस एकटा सामाजिक जीउ हेकेत। सेइ तेहैं समाजेक धरनेक अनुजाइं अके चले हेइक। समाजेक अनुजाइं निजे के बदले हेइक आर समाज के आगु बाटे बाढ़ाबेक (बिकास) माहान साहाज्य करे हेइक। आइज पेति मानुस के नागरिकेक अधिकार आर कर्तव्य जाना दरकार। सभे देस माहान सभे काइ नागरिक नि मानाल जात। सभ देसकर आपन-आपन विधि-विधान, नियम-कानून बा नियम- धरम आहेन, ताकरे अनुजाइं मानुस उ देसकर नागरिक बनत। समाज आर राइज कर तेहैं अराक किछु कर्तव्य रहे हेन, अहेटा अरा के करे हेन। सेइ माहान हामरा के नागरिकेक अधिकार आर कर्तव्य जाना बेजाइं दरकार।

नागरिक कर अधिकार:- भिनु-भिनु मुलुक माहान भिनु-भिनु नियार नागरिके अधिकार पावत। एहे अधिकार दुइ डुल हेइक- मूल अधिकार आर विशेष अधिकार। प्राय: सभे देसेक सरकारे एखन आपन देसेक नागरिक के मूल अधिकार देथिन। मूल अधिकार अहेगिला के कहे पारियोक जे गिलाक बिना जीबन चाला भारा-भार। जेसन देसेक पेति लग के परिवार करिकुहुन

दिनऽपात चालावेक अधिकार। सभे लग बेससिर बाँची कुहुन रहे खजत। पेति लग के प्राकृतिक हिंछा पूरा करेक अधिकार आहेन। देसेक नागरिक के सरकारे आपन धन-सम्पति मानेन। सेइ तेहें अखर रइखाक भार सरकारेक रहे हेइक। पेतिलग कर छवा-पुता करेक हिंछा रहे हेन ताकर जालाइं समाज माहान किछु नियम बनावल गेल आहेइक। ताकरे अनुजाइं मानुसे बिहा करि के धिया-पुता संग रहऽहत। एहे तेहें सभ सरकारे आपन देसेक नागरिक के इ अधिकार देल आहेन।

देस किमबा राइज बनावल गेल आहेइक हुआंक बसकइताक रइखाक जालाइं। सभे नागरिक के आपन राइज बाटे ले जन-धन कर रइखा पावेक अधिकार आहेन। नागरिकेक रइखा आर समाज माहान सान्ति राखेक सरकारे मूल कर्तव्य हेकेइक। पेति नागरिक के बाहरी आक्रमण आर आन्तरिक अराजकता ले बाँचेक अधिकार आहेइन। सेइ माहान सरकारे सेना आर पुलिस राखेन। पेति नागरिक के धन कामावेक आर आपन हिंछाक अनुजाइं खरच करेक अधिकार आहेन। सरकारे सभे लगेक सभे नियार आपाभार नि लेइ पारेइ। सेइ तेहें औंय नागरिक के आपन धन कर हेपाजइत करेक अधिकार देल आहेन।

हामरा कहे परियो जे राइज बा देस सभ लगेक एकटा जड़वाही (संस्था) हेकेइक। सेइ माहान राइज बाटेले सभे लग के न्याय पावेक अधिकार आहेन। राइज कर नियम- कानूनेक अनुजाइं कनऽ रकमेक भेद-भाव नेखेइक न केउ बड़ऽ न केउ छटऽ। कानूनेक नेजेइरे सभे समान सभ लग के उचित आर भेद-भाव छाड़ीकुहुन न्याय पावेक अधिकार आहेन। सभ लग के आपन मनेक अनुजाइं पूजा-पाठ करेक, धरम मानेक अधिकार आहेन। सभ नागरिक के सार्वजनिक जिनिस कर बेबहार करेक अधिकार आहेन। जेसन-सरकारी सड़पे चलेक। हॉसपाताल ले असद लेवे, डाक विभाग ले चिठी, पारसल, मुनिआडर हेनतेन पावे, रेल, उड़ा-जाहाजे हियां-हुआं जायेक सभे नागरिक के अधिकार देवल गेल आहेइक। जदि सरकारे खजेइ तऽ कखनऽ- कखनऽ इ अधिकार गिला कम-बेसी करे पारेइ। सरकारे हामराके दुइयो अधिकार देल आहे जे हामरा आपन दुख-दुखवास अकर ठीन लेगे पारियो। सरकारी स्कूले किमबा कनऽ दसर जाइगाइं पढ़े-लिखेक अधिकार सरकारे देल आहे। एहे नियार सरकारे हामरा के मूल अधिकारेक संगे-संगे भौतिक आर आध्यात्मिक उन्नति करेक सुविधा देल आहे।

लोकतांत्रिक सासन माहान नागरिक के बेजाइं अधिकार देल गेल आहेइक। पेति नागरिक के राइज-पाइट चालावेक जालाइं आपन प्रतिनिधि चुनेक बा चुनाइ हेवेक अधिकार आहेइन। ताकर तेहैं आपन मनेक अनुजाइं राजनीतिक दल बनावेक अधिकार आहेइन। हामरा मटामटि भाभे कहे पारियो जे सभे नागरिक सरकारेक संगठन माहान रहऽहत। जदि कनऽ लग बेस नागरिक हेइ ताहेले ओंय देसकर प्रधानमंत्री किमबा राष्ट्रपति बने पारेइ। सभे लग के सार्वजनिक मंदिर किमबा पूजा घार माहान जायेक अधिकार आहेन।

कर्तव्य- नागरिकेक अधिकारेक संगे-संगे बेजाइं कर्तव्य आहेन। नागरिकेक पहिल कर्तव्य हेकेइक सरकारी कानून के माना। हामराके कनऽ एसन काम नि करा चाही जेटाइं दसर लग के हानता हेतेन। दसर कर्तव्य हेली:- सार्वजनिक आर राइजे कर धन-सम्पति कर रइखा करा। हामरा के सार्वजनिक जिनिस आर सरकारी धन-सम्पति ले बेसी-ले बेसी नाफा उठावेक। नदीक उपर बनल पुल माहान जदि हामराक पाइराइएक अधिकार आही, ताहेले उ पुलकर रइखा कराटा हामर कर्तव्य हेकी। हामरा के कनऽ एसन काम नि करा चाही जेटाइं सरकार कर घाटा हेतेइक। सरकार के सहजोग करा हामराक कर्तव्य हेकी। एहे नियार नागरिकेक आरऽ बेजाइं कर्तव्य आहेन। जेसन-सरकारी मालगुजारी देवा, सेना माहान भर्ती हेवा, देसेक रइखा करा। सरकार कर सामुदायिक विकास योजना माहान सहजोगकरा, आरऽ आरऽ बेजाइं कर्तव्य आही।

सैंसे हामरा कहे परियो जे आपन भरसाक अनुजाइं देस बा समाज कर भलाइ करा हामराक कर्तव्य हेकी। बेस नागरिक देसकर सम्पति मानाल जात। देस कर एकता बल, ताकत बेस नागरिक हेकत। एराइ देस बा समाज कर भलाइ करे पारत।

आइज प्रजातंत्र सासन माहान नागरिक कर बेजाइं बेसी दायित्व हेइ गेल आहेन। काहे न इ धरन कर सासन देसकर बसकइताक (रहेइयाक) निजेक सासन हेन। सेइ तेहैं हामराक के नागरिकेक अधिकार आर कर्तव्य जाना दरकार।

फालतु खरचे पइसाक कटकिना

फिजुल खरची किमबा फालतु खरच काके कथिक, इटा हामरा के पहिल जाने हेती। जे खरच बा खरच करेक हइबास जेटा फालतु हेकेक आर जे खरचटा ना करलउ हामरा सुखे, सान्ति भाभे रहे परियो, उटा के फिजुल खरची कथिक। एबार कन-कन कामगिलाइं आर केसन-केसन खरच गिला के फालतु कहाल जाइ पारेइक। तऽ हामरा कहे पारियो जे आपन आमदानी कर बाहेइर आर दरकार ले बेसी खरच कराटा फिजुल खरची हेकेइक।

एसे तऽ सभे लगेग बेजाइं आवश्यकता आर हिंछा रहेहेन। सभे आवश्यकता आर हिंछा पूरन कराटा आंट मनतुक दरकारी जिनिस लेवा बा किनाटा फिजुल खरची ना लागेइक।

हामरा जानियो जे समाज माहान सभे लगेग एके नियार ना आमदानी आहेन आर ना खरच। खरच करा तऽ आपन-आपन बुताक काथा हेकेइक। निजे बांचेक जालायं, आपन गात के निफुट राखेक तेहैं आर आपन विकास कर खातिर जे खरच कराल जाइक, उटा के फिजुल खरची नि कहाल जाइक। तबे लुगा-फाटा, पिंधान-अढ़ान, खावा-पियाक संगे एसन काथा ना लागेइक। जेसन-एकटा साधारन लगे कम-झम लुगा माहानउ काम चालावे पारेइ आर जेतनाटी लुगा जतन करिके राखे पारेइ। मनतुक अहे लगटाइं जदि बेसी दामेक लुगा किनेइ आर सांगी लुगा -फाटा राखेइ ताहेले उटा के फिजुल खरची कहाल जाइ पारेइक। एहे नियार हामरा खायेक-पियेक लेइकोउ कहे पारियो। हामरा के खायेक-पियेकटाइं अतना खरच करा चाही जेटाइं हामर गात बेस रहती आर गात कर भालो भाभे विकास हेतेइक। मनेक जिउ ना धरे पारी कहन खायेक-पिंधेकटाइं कनऽ सीमा नि राखत। किछु लगे फुटानीइं आर इराइरीइं बेसी खरच करत। खास करि के हामर समाजे हामरा बेसी ले बेसी खाय खजियो, सवाद-सवाद खाय खजियो आर तारिबते खाय खजियो। सेइ माहान दरकार ले बेसी खरचा हेइ जाइ। एहे नियार पिंधेक-ओढ़ेक आर दसर जिनिस लेवा-थुआ माहानउ बेसी खरच हेइ जाइ। दरकार ले बेसी खरच कराटा फिजुल खरची हेकेइक। फिजुल खरच करले हामराक पइसा-कउड़िक टान हेइ आर आगु बाटे हटऽललइं दिन जाइ।

आइज- काइल सभे लग माहगाइ ले परेसान आहात। बेसी करिके गरीब आर मध्यम वर्ग कर लग। एराक आय सीमित आहेन। ताव बिहा,

बीमारी, पढ़ाइ-लिखाइ आर मेहमानी माहान ना पारिकोउ खरच करे हेन। तबे किछु लगे फुटानीइं धार-उधार, रिन, लेइकोउ बेसी खरच करत। जन लगेक बेसी कामाइ आहेन आर उपरी कामाइ आहेन अराक त कनऽ कष्ट बा परेसानी नि हेन मनतुक जाकर आय सीमित आहेइक, जाकर दसा ''लुटी आना-कुटी खाना'' आहेन, अराके आगुबाटे हटऽललइं दिन काटे हेन आर आर्थिक परेसानी बाढ़ले जाइन।

फिजुल खरच काहे करत? तऽ कहाल जाइ पारेइक जे हामरा कनऽ काम कनऽ नि कनऽ बिचार बा सिद्धान्त मानिकहन करियो। फिजुल खरचीक पेछुइं दुइ रकमेक विचारधारा आहेइक- देसी आर विदेसी। देसी विचारधाराइं चर्बाक कर सिद्धांत मानिकहन चलत जे जखन तड़िक बांचब रिन लेइकोउ घिउ खाब। हामराक कुरमाली माहानउ कहत- ''एसोउ रिन, असोउ रिन एक खेंचा माछोव रिन'' बा ''रिन लेइके काने सोना।'' जारा एसन भाभि के खरच करत उटा फिजुल खरची हेकेइक।

विदेसी बा पाश्चात्य मते जारा चलत, अरा वर्तमान केइ सभ कुछ बुझथिक। जेतना कामावत रिझे-रंगे, सुख- सुविधाइं आर फुटानिइं उड़ावत। आइज-काइल फालतु खरच कराटाउ एकटा फेसेन हेइ गेल आहेक। अमेरिका एसन धनी देसोउ फिजुल खरची के कम करेक चेष्टा करऽहत।

एबार सवाल उठेहेइक जे फिजुल खरची केसे कम कराल जाइ पारेइक आर आर्थिक परेसानी ले बांचब। जानाल काथा जे जदि एक बार फालतु खरच करेक हइबास हेइ गेलेइक तबे पेति कामे फालतु खरच हेले जातेइक। बेजाइं लगे मद, पान-बीड़ी सिगरेट, हँड़िया, तामुख, खैनी आर दसर निसाकर जिनिस माहान फालतु खरच करत। इ जिनिसगिलाइं खरच त आहबे करेक एकर संगे आरो फालतु खरच हेले जाइक। जेसन-मद खाले अकर संगे मांसेक चाखना, चायकर संगे पान, बीड़ी, सिगरेट। एहे भाभे फालतु जिनिसकर संख्या बाढ़ले जाइक आर फालतु खरच कर जाल माहान फांसेल जात। जदि एक बार कनऽ रकम फिजुल खरची माहान फांसलियो तबे अकरे बसीभूत हेइ जाब आर जभीइं फांसल नियार खरचे थासाले जाब। तखन हामर कनो हाथ-पांव नि चलती आर आर्थिक परेसानी बाढ़ले जाती।

हामरा के इटाउ जाना चाही जे किना रकम फालतु खरच के कम करबेइक। त हामरा के टेंग अतने पासरावेक चाही जेतना अढ़नी टा आहेइक ताकर माने हेकेइक आयकर हिसाबे खरच। आगाड़ी-पिछाड़ी दांजिकहन दांप देवा चाही। आपन बुइध, आपन हुनेइर आर दिसा- हदीस माहान खरच करे

हेती। उचित –अनुचित कर बिचार करे हेती। सबले पहिल जाने हेती जे हामर आर्थिक दसा किना आही। अहे हिसाबे खरच करे हेती जेतनाटीइं हामर काम चलती। हामरा निजेक बुइध–भरसाइं फिजुल खरची ले बांचे परियो। कहाल गेल आहेइक– "निजेक बुझे तरि, आर परेक बुझे मरि।" हामराके मने संजम राखे हेती ना हेले" परेक देखी करे हाय- आपन जेउ रहेइक सेउ जाइ" हेती। एहे मनेक संजमें हामरा फिजुल खरची ले बांचे पारियो। मनेक हिंछा बा बानछा सभे लगेग कबउ पूरन नि हेइ पारेन एहे खातिर मने संजम राखा दरकार। ताकर माने नि जे मनेक पेति हिंछा बा बानछा के एकदमें दाबाइ दियोक। हिंछा के दाबावलटाउ एक रकमेक पाप हेकेइक दरकारी हिंछा के दाबावले हामर विकास नि हेती। आपन बुइधे आर दिसा–हुनेइर हामरा आपन हिंछा आर अकर पूरन करेकटाइं अजखेम करे परियो।

सुख–सुविधा कर जिनगानी माहान आराम तऽ आहेइक मनेक अकर ले बेसी परेसानी आहेइक। आराम आर सुख सुविधागिला तऽ देखे पाइयो मनतुक उगिला ले जे परेसानी आहेइक सेगिला के नि देखियोक आर न उ गिलाक बिचार करियो। हामराके कुरमालीक इ आहना टाक अनुजाइं चले हेती:-

खाय हेइ साग–पात, पिंधे हेइ सादा।
चले हेइ अहे डहरे, जन डहरे बाप दादा।।

तबे हामरा फिजुल खरची से बाचे परियो। मटामटि भाभे कहे पारियो जे फिजुल खरचीइं हामराक आर्थिक परेसानी बाढ़ले जाइ।

ग्राम पंचायत

हामराकर देस एकटा बेजाइं बड़ऽ देस हेकेइक। हियाँकर बेसी भागे लग गाँवे रहऽहत। सेइमाहान हामर देस के गाँवेक देस कहाल जाइ पारेइक। एक गाँव माहान भिनु-भिनु जाइत, पेसा आर धरमकर मानेइया रहऽहत। आगुक आमले अहे गाँव के बेस गाँव कहे हेलथिक जेटाइं भिनु-भिनु पेसाकर लग बास करे हेला। अरा आपन पेसाक अनुजाइं एक-दसर लग के मदत करे हेलथिन।

हामर देस जे हिंसाबे बड़ऽ आहेइक आर आबादी आहेइक से हिसाबे एखनऽ तड़िक गाँवेक लग शिक्षित हेइ नि पारल आहात कारन हेकेइक-टाका पइसाक टान आर सभ फेसाइदकर जेइड़ हेकेइक अशिक्षा। शिक्षा कर अभाभे गाँवेक लग आपस माहान छटऽमटऽ काथाइं लड़ाइ- झागड़ा, माइर-पीट तऽ टंठा-टंठी करत। मानुसेक धरन हेकेन संग रहिकोउ, एक पातेइरे खाइकोउ आपस माहान झागड़ा करत। कबऊ छटऽमटऽ काथाइं, तऽ कखनऽ डाइन भूतेक लेइके, कखनऽ खुखड़ी-चेनगाक हांतिर, तऽ कबऊ छटऽ छवाक झागड़ा बड़ऽ ठीन उचार हेन। एहे नियार जमी-जाइगाक लेइकऊ आपस माहान झागड़ा-झंझट हेते रहेहेन। एक काथाइं झगड़ाक बेजाइं अर आहेइक। एसोउ कहाल गेल आहेइक- भाइ- भाइ न ठाइ-ठाइ। मानुसेक इ धरनटा के गुचावा बेड़े मसकेइत हेकेइक। तबे बुझी-सुझी काम करले किछु तड़िक रकाल जाइ पारेइक।

सभे रकमकर झागड़ा सलटावेक हाँतिर सरकारे कट-कचहरीकर सरजाम करल आहे। एखन कट-कचहरीक महत बाढ़ी गेल आहेइक। छटऽमटऽ झागड़ा-झंझट हेले लग थाना जाहात आर थाना ले कचहरी बाटे खापले जाहात। हामरा के भाभे हेती किना एहे थाना बा कचहरीगिला गाँवेक बसकइताक तेहेँ बेस हेकेइक। निरदंदी कहाल जाइ पारेइक जे इ सभ जाइगा जावा खरचेक घार हेकेइक।

गाँवकर लगेक सुख सुबिधाक जालाइं हामर देसकर संविधान माहान ग्राम पंचायत गठन करेक जुगुत कराल गेल आहेइक। पुरना पथि पढ़ले जानाल जाहेइक जे पंचायतकर चलन हामर देस माहान अरियाक-परिया ले आहेइक। आगुक आमले लगे आपस कर झागड़ा झंझट के पंचायत माहान सलटावे हेलथिक। तखन आजुक नियार कट-कचहरी नि रहेइक। पंचायते जा बा

बिचार करे हेला उटा के सभेकाइ माने हेलथिक। पंचायतेक बिचार के धरम डाक कहे हेलथिक आर पंचरा के भगमानेक काछाकाछी माने हेलथिन। पंचराइं फैसला कराटा आपन धरम बुझे हेला। एहे नियार गाँव माहान पंचायत कर बेजाइं बेसी महत रहे हेलेइक। आइज एहे बेबस्थाटा के सरकारे गाँवे फेइर लागू करले आहेइक। लग के आपन अनुजाइं पंच के चुनेक अधिकार देल आहेन।

इटा जानाल काथा जे हामर देसेक बेसी लग गरीब आहात। एरा कनऽ नियार दिन काटऽहत। सतइखन पइसा-कउड़िक टान रहेहेन। टाका अरजेक कनऽ दसर जऽ नेखेन। धन-सम्पतिक रूप माहान जदि काकरऽ घारे आहेन तऽ किछु गहना-गुड़िया, गुरु डांगर आर एक-आध किता जमीं। एहे सभगिला अराक रूंजि-पूंजी, भीड़-सांकटे काम देन। गाँवेक सभे लगे कनऽ नि कनऽ काम उदम माहान लागल रहऽहत। उगाक-डुबा ले काम करत, तबे सांइझे चुलहा जरेन। किछु लगेक तऽ लुटि आना कुटि खानाक दासा रहेहेन। एसन माहान जदि कनऽ लग मामला मकरदमाक जाले बाझेइ तऽ ओंय दिन चालावत न सहरे जाइ के मकरदमा लड़त। जमीन जाइगाक मामला तऽ एतना दिन चलेइक जे जुवान लागटा बूढ़ा हेइ जाइ, तावे मकरदमा नि सिराइक। काम-पाइट छाड़ी के सहर आवा-जावा माहान तऽ खरच हेबे करेइक आरऽ समय आर शक्तिकर खय हेइक। कनऽ मामला तऽ एतना बेसी दिन चलेइक जे मानुस सिराइ जाइ मनतुक मामला नि सिराइक। थाना बा कचहरी गेले बेसी टाकाक दरकार। सांगी खरच करिकुहनऽ झागड़ाक निपटारा चांड़े नि हेइक। एसन माहान जदि सभे किछु सिराइ-हेराइ के मकरदमा जीताल जाइक तऽ उटाक किना दाम? कचहरीइं मकरदमा लड़ले लग डाइर- छाड़ा बाँदर हेइ जात। एक काथाइं कहाल जाइ पारेइक जे गरीब लगेक तेहें मामला-मकरदमा जमदुत कर समान हेकेइक आर कचहरी जावाटा नरक। आपसकर छुटु-मुटु झागड़ा कचहरी गेले हामरा समय शक्ति पार धनकर नासकान हेइ। हामरा के भाभा चाही जे आपसकर झागड़ा-झंझट, टंठा-टंठी, ठेस-बजड़ के आपस माहान बसिकुहुन किमबा गाँवेक पंचायते सलटावा चाही।

पंचायेक महत के बुझी के सरकारे गाँवेक झागड़ा आपस माहान निझावेक जालाइं पंचायत कर जुगुत करल आहे। जन गाँवे दुइ हाजार ले बेसी जनसंख्या आहेइक अहे गाँवे पंचायत कर गठन कराल जाइ पारेइक। एहे पंचायत माहान ग्राम कचहरी रहे हेइक। ग्राम कचहरी माहान आपस कर झागड़ा सलटावत। पंचायत माहान जे झागड़ाक निपटारा हेइक उटाइं आपसकर

मेल-मुहबत, भाइ-चारा बनल रहे हेइक। पंचायत माहान गाँवेकेरे लग रहऽहत सेइमाहान अन्याय हेवेक दवा-भवा कम रहे हेइक। पंचायती करेइया गलत फैसला देइके मुखदोसी नि हेइ खजत। अरा काकरऽ साइठ नि लेत। बाजे-खाजे देखाल गेल आहेइक जे पंचायतेक फैसला माहान गाँवेक बा आपस कर मन-मनान्तर नि बाढ़ेइक। मनतुक कचहरीक फैसला माहान मकरदमा लड़ेइयाराक जिनगानी भइर टंठा-टंठी चलेन। एखन कचहरी जा दासा आहेइक से छटऽमटऽ मामला माहनउ बेजाइं दिन लागी जाइक। मकरदमा लड़ते-लड़ते गात सिराइ जाइक, मुड़े चुइल पाकी जाइन आर खरचे जेरजेराइ जात ताव मकरदमाक दिन पुइ लत नि बाढ़ले जाइक। जँखे जेसन गातेक रकत के चुसी के सिराइ देइक सेइ नियार हामर धन खय हेइ जाइ आर हामरा जानोउ नि पारियो। बेजाइं एसन झागड़ा बा मामला आहेइक जेटा हामरा आपस माहान बसी के पंचायत माहान निपटारा करे पारियो। हामरा एक संग रहेइहो, हामरा एक गड़ाक ढेलका। केतनो लड़ले एक संगे रहेइक आही। कहाल गेल आहेइक- 'पानी पिटले धूर नि जाइक।' सेइ माहान कितनो लड़ले हामराक एकठीन रहेइक आही।

अमेरिका एसन आगु बाटे बाढ़ल देस माहान बेसी भागे आपस कर झागड़ा आपस माहान बसी के सलटावत। गांधी बाबाइं हामर देसमाहान रामराइज आने खजे हेला। एहे राम-राइज कर मूल माहान आहेइक ग्राम-राइज। ग्राम राइजकर बिनु राम-राइज कर कल्पना नि कराल जाइ पारेइक। सेइ माहान जदि हामरा के आगु बाटे बाढ़ेक आही, छवा-पुता के मानुस बनावेक आही, नीके-सुखे रहेइक आही, गाँवकर विकास करेक आही, देसकर उन्नति करेक आही, ताहेले आपस कर झगड़ा आपस माहान बसीकुहुन किमबा पंचायत माहान निपटारा करा चाही आर कट-कचहरी ले सौ कोस धूरे रहा चाही। हेले हामर धन, शक्ति आर समय कर बचत हेती। आपस कर पेरेम-भाव बांचल रहती आर एक-दसर के पेति कामे मदत करे पारबियोन एबंग सुखे दिन काटे पारब।

जाइत–पांइत देसकर विकास माहान बाधक

हामराक देस भारत एकटा बेजाइं बड़ऽ देस हेकेइक। हियाँ नाना रकमेक जाइत आर भिनु–भिनु धरम कर मानेइया लग एरिआक–पेरिया ले रहत ला। जेसन–हिन्दू, मुसलमान, इसाई, बौद्ध, जैन, सिख, पारसी आरऽ आरऽ। हिन्दू माहानउ बेजाइं जाइत आहात। तबे मटामटि चाइर भागे बाखरावल गेल आहात–ब्राह्मण, क्षत्री, वैश्य आर शूद्र। आगुक– पेरियाइं जाइतेक अनुजाइं कामेक धारिज कराल गेल रहेइक। सेइ तेहें बाखरावल जाइत गिलाइं धारिज करल कामगिला छाड़िकुहुन दसर काम नि करे हेला आर न समाजे करे देइ हेलथिन।

किछु लगे कहत जे जातिप्रथा बा जाइत–पाँइत हामर देस माहान आदिकाल ले चलले आवेहेइक आर किछु लगेक बिसास जे जाइत–पांइत भगवानेक बनावल हेकेइक। सेइ माहान समाज के चाइर जाइत माहान बाखरावल गेल रहेइक आर, एराक काम भिनु–भिनु रहेन। बामन कर काम लिखेक–पढ़ेक आर पढ़ावेक, खत्रीक काम देसेक रइखा करेक, वैश्य कर काम बेपार करेक आर शूद्र कर काम उपरेक जाइत गिलाक सेबा–सुँसार करा।

एहे जाइत–पाँइत कर जभींइं एखनऽ हामर देस बा समाज भाँसल आहेइक। एखन लगेक एकटा धरन हेइ गेल आहेन जे काकरऽ संग काकरऽ बाचिक जानेक, चाहे देवेक हेले पहिल जइत पूछे हेथिन। जाइत कर बाटे जाइतेक टान बेसी। कनऽ काम पाइट कराबेक हेले आपन चिनहाप जाइतेक दाराजे देहेथिन। अहे माहान समाजे घाखुर–माहुर, हुनेइरगरिया आर कमिया लगगिलाइं उचित जाइगा नि पावऽहत।

जातीयता बा जाइत–पाँइतेक माहान हामर देसेक भिनु–भिनु जाइगाइं टंठा–टंठी हेते रहेहेइक। हामरा एहे टंठा–टंठी, झागड़ाइं एसन फाँसल आहियो जे देस कर तेहें कनऽ तिरिज करेइहऽ, न चिन्ता–फिकिर आर न कनऽ काम। तऽ हामर समाज बा देस आगु बाटे केसे बाढ़तेइक? देसेक बिकासेक जालाइं हुआंक लगेक एक विचार, एक मन हेवा चाही।

हामराक देसे अगनतिक संत आर महात्मा हेल आहात। कनऽ संते बा माहात्माइं जाइत–पाइत के नि साहजावल आथिक बरंच निन्दा करल आथिक। भगवान बुद्धइं कहल आहात जे मानुस जनम ले सवर्ण हेइ आर न अवर्ण।

काम महानेइ बड़ऽ आर छटऽ कर परिख हेइक। सभ मानुस भगवान करे सिरजल। सभे काकर सरीर, रकत आर मांस लेइ बनल आहेइक। तबे ऊंच-नीच किमबा बड़ऽ-छटऽ कर भेद-भाव काहे? कबीर दासे ठीके कहल आहात-

एक बूंद, एकै मल मूतर, एक चाम, एक गुदा।
एक जोति थै, सब उपन्न, कौन ब्राह्म कौन सूदा।।

किछु लगे तिरिज करत जे चाइरऽ वर्णकर (उत्पत्ति) सिरजन परमात्मा कर सरीर लेइ हेल आहेइक। मुंह ले बामन, बाइं ले खत्रि, जांघ ले वैश्य आर गड़ ले शूद्र। जदि इटा मानालऽ जाइक ताहेले हामरा के माने हेती जे इ चाइरऽ अंग लेइ सरीर बनल आहेइक आर एहे सरीर कर भीतरे परमात्माकर बासा। तबे काकोउ बड़ऽ आर काकोउ छटऽ मानाटा ठीक नहेइक। एहे बड़ऽ- छटऽ आर ऊंच-नीच कर लेइके रामेश्वर करूणे' ठीके कहल आहात-

है कौन कहां से नीचा? है कौन कहाँ से ऊंचा।
क्या एक समान नहीं है, हम सबका जिस्म समूचा?

आबगा एतने निहि, बेजाइं फिकिरेक काथा जे जाइत के चाइर भागे बाखरावल परोउ पेति जाइत के उप जाइत माहान खेजा करल गेल आहेइक। सेइ तेहें सतऽखन आपस माहानेइ माइर-पीट, ठेंगा-लाठी, ठेस-बजड़ हेते रहे हेइक। निसटा कहल जाइक ताहेले हामरा कहे परियो जे हामर समाज माहान एखन घुन लागल आहेइक। फफर बांस नियार उपरे त बेड़े चिकन-चाकन आर भीतरे ढड़हर। एहे जाइत पांइतेक लेइके मानुसकर प्रतिभा, काम करेक शक्ति आर कामेक उचित मजदूरी नि पावऽहत। दिने-दिने बइमानी बाढ़ले जाहेइक। बेजाइं जाइत के छटऽ बा नीच मानिकुहुन अराक बेइजती कराल जाहेइक। अराक पांइते बसी के खाहात निहि, अराक छुवल पानी पियऽहत निहि। अराके कुआंक पानी खाइलाइ देहेथिन निहि। एहे लग गिला कन? एराइ हामर ओड़-पोड़सी आर देसेक लग हेकत। इ देसकर उन्नति, रइखा आर विकास एराक उपरेइ आहेन।

साँचा कहल जाइक ताहेले कहाल जाइ पारेइक जे जाइत-पाँइतेक धरने हामर देसटा एकटा गटा देस नहेइक, बरंच छटऽ बड़ऽ कर एकटा जड़वाहि हेकेइक। हामरा एक मुलुकेक बसकइता हेइतकोउ बेटी-रोटीक नाता नेखी। खावन-दावन, बसा-उठा, बिहा-दान कर चलन नेखी। एकर कारन

हेलेइक जाइत -पाइंत। जदि आगु-बाटोउ एहे हाल रहलेइक, तबे हामर देस रसातल माहान जातेइक, इटाक कनऽ दवाभवा (शक) नेखेइक।

जातीयता बा जाइत-पाँइत हामर देसेक कलंक हेकेइक। इटा मुढ़हा रोग लोउ बेसी घिनघिना हेइ गेल आहेइक। जाइत-पांइत हामर समाज बा देसेक तेहें साराप हेकेइक। देसकर विकास माहान जाइत-पाँइते हानता देइस। जदि हामर देस के एकटा सवांगिया मुलुक बनावे खजियो तबे जातीयता बा जाइत-पाँइत कर भूतटा के ढाड़ाइ के खेदे हेती। जदि इ ससऽगड़ा माहान हामर देस के एकटा आदर्श देस बनावे खजियो तबे हामरा के एके बारे कहे हेती जे हामरा न केउ बड़ऽ आर न केउ छटऽ। न केऊ ऊँच आर न केऊ नीच। हामरा सभ भगवान करे छवा। अकरे गढ़ल, अकरे सिरजल। हामरा सभ समान। हामर समाज एक, हामर देस एक, हामरा एक। समाज माहान पसरल जाइत-पाइंतेक जेइड़ के उखनाइ के फेंके हेती, जन-जागरनेक जालाइं आन्दोलन करे हेती। खासकरिकुहुन पढ़ल-लिखल लग के जाइत-पाँइत कर चिस के गुचावेक तेहें आगुवाइ हेती। सभे काके जाइत-पाँइतेक आंधार ले एक-धार करे हेतेइक। खावा-दावा, बसा उठाक भेद-भाव के गुचावे हेतेइक बिहा दानेक तेहें। जाइत-पाइत कर पाँचीर के डेगे हेती। समाज माहान जे जातीय बा जाइत -पाइंत कर संस्कार जेड़ियाल आहेइक ताके उखनाइ के बिगे हेती। समाजेक आपसारथी लग के चिनहे हेती जारा आपन सवारथ पूरा करे लाइ जाइत-पाँइत, धरम, क्षेत्र आर भाषा कर महुरा गरि के लग के ढकाव हेथिन।

जदि हामर देसेक लग के नावाँ जीवन पावेक आही, देस के आगु बाटे बढ़ावेक आही ताहेले जातीयता के गुचावे हेती, काहे न उन्नति आर विकास कर डहर माहान जाइत-पांइते हानता देइस।

बेटी के जूनजूना पढ़ावहान

इ एकटा जानल काथा हेकेइक जे मानुस एकटा सामाजिक प्राणी हेकत। सेइ माहान अरा समाज के धेयाने राखी के कनऽ काम करत। समाजेक गढ़हन स्त्री आर पुरूस लेइकेइ हेल आहेइक। एकटा बेस आर सुघड़ समाज के गढ़ेक-बनावेक तेहें दुइयो करे समान भागे जिमेंदारी आहेन। मटामटि भाभे हामरा कहे पारियो जे समाज रूपी गाड़ीटा के चालावेक खातिर बेटाछवा आर बेटीछवा दुइयो करे समान दरकार आहेइक। सेइमाहान दुइयो करे समान-समान सिक्खित हेवा चाही।

जीवन-रूपी गाड़ीटा के चालावेक खातिर तिरि आर पुरूस-रूपी चाककर दरकार आहेइक। जदि इ गाड़ीटा कर कनऽ एकटा चाक दरमादी रहेइक ताहेले गाड़ीटा बेस नि चले पारेइक। आरो एकटा जानेक काथा जे छटऽ बेटीछवा आर छटऽ बेटाछवागिलाइ बाढ़ि कहन स्त्री-पुरूस हेत। मटामटि भाभे हामरा कहे पारियो जे अहे छटऽ छवागिलाइ बड़ऽ हेइकहन देसेक नागरिक बनत। एराइ देसकर नागरिक हेत। बेस नागरिक ले बेस देसकर गढ़न हेइक। बेस नागरिक बनेक तेहें सिक्खा कर बेजाइं दरकार आहेइक। छटऽ बेटीछवा किमबा बेटाछवा देसेक छेऊ हेकत। जदि छेऊटा दड़ह रहेइक ताहेले देस मजबूत आर टिकसार हेतेइक।

एबार हामरा के जाने-बुझे हेती जे जीवन-रूपी घारटा किना रकम मजबूत करे पारब। तऽ हामरा जर देइके कहे पारियो कि सिक्खा दारा चाहे छवा के पढ़ाइ-लिखाइकहन घार, परिवार, समाज आर देस के मजबूत आर बेस बनावे पारब। कहेक माने हेलेइक छवा के सिक्खित करिकुहुन हामरा सभे नियार बिकास आर उन्नति करे पारब। एखनो तड़िक हामरा बेटाछवा के पढ़ावेक हांतिर बेसी कसनि करते आहियो। बेटीछवा के पढ़ावेक बाटे हामराक धेयान कम आही। बेटीछवा के पढ़ावेक खने हामरा एहे कहियोला जे एरा पढ़ी-लिखी कहन किना करता। एरा तऽ परदुवारि हेकत। बिहा करल परे एरा ससुरघार चली जाता। एराक काम छवा-पुताक आलन-पालन, रांधा-बांटा आर घारेक काम तड़िक सीमित आहेन। मनतुक इ रकम बिचार राखाटा हामराक भूल। हामरा के भाभे हेती जे बेटीछवा आर बेटाछवा दुइयो समाजकर दुइ आंइख हेकत।

हामरा के इटाउ जाने हेती जे बेटीछवा के पढ़ावले किना लाभ आहेइक। तऽ हामरा कहे पारियो जे बेटीछवा के पढ़ावेक मटामटि तीन रकमेक लाभ आहेइक–पारिवारिक, आर्थिक आर सामाजिक। आइजकर छटऽ बेटीछवा काइल कर नारी हेकत। एराक उपरेइ परिवारकर दायित्व आहेन। एराक मुंड़ेइ घारेक बझ आहेन। हामरा कें हामर देसेक संविधाने बराबइर कर दर्जा देल आहे। कनो प्रजातांत्रिक देस के बेससिर चालावेक तेहैं स्त्री आर पुरूस दुइयो कर समान रूप माहान सिक्खित हेवा चाही। एहे छटऽ छवागिलाइ देसकर भावी नागरिक हेकत। खासकरिकहन बेटीछवाक उपरे परिवारेक दाय बेसी भागे रहेहेन। परिवारेक स्वास्थ्य, घारेक सफाई, लुगा–फाटा, पिंधान–अढ़ानेक सफाइ, खरच–पानीक हिसाब–किताब बेटीछवाक उपरे रहे हेन। जदि बेटीछवा पढ़ल–लिखल रहऽहत ताहेले घार–करना बेस रकम चलेइक। छवाक लालन–पालन, पढ़ाइ–लिखाइ बेससिर हेतेइक। पढ़ल–लिखल बेटीछवा आबगासेक समये दसर काम–धांधाकर जुगत करे पारत। दुइ –चाइर पइसा अरजेकटाइं मदत करे पारता।

कबउ–कबउ एसनो देखाल जाहेक बेस जीवन–संगी नि पावथिन। पइसा–कउड़िक टाने तखन घारे टंठा–टंठी चलेन। जिनगानीक किना ठिकाना, कबऊ–कबऊ बेटीछवा के छाड़ी आर राँढ़ी हेइके दिन काटे हेन। एसन समये जदि बेटीछवा पढ़ल–लिखल बा सिक्खित रहत ताहेले अरा साधीन भाभे आपन दिन चालावे पारत। एखनुक समाज माहान एकटा रग धरले जाहेइक जेटा के हामरा तिलक–दहेज कहे पारियोक। इ रगटा माहान समाज फकला हेले जाहेइक। इ समस्याकर समाधानेक खातिर बेटीछवा के पढ़ी–लिखीकहन आपन गड़े डाँड़ाइ हेतेन। कामावेक हुनेइर सीखे हेतेन। जखन तड़िक बेटी छवा के नि पढ़ावबेन तखन तड़िक इ हुनरगिला केसे सीखता। बेटीछवा के पढ़ावले हामराक पारिबारिक आर सामाजिक लाभ हेती। हामराक सामाजिक स्तर बाढ़ती आर समाज आगुबाटे बाढ़तेइक। बेटीछवांइ आपन राजनीतिक अधिकार बुझे पारता। आपन भोटकर इस्तेमाल बेस भाभे करे पारता आर एकटा बेस सरकारेक गठन बा चालावेइकटाइं मदत करे पारता। आरो एकटा जानेक काथा जे एखनो हामराके समाजे जाइत–पाइंत, छुआछूत, अन्धविश्वास, बड़ऽछटऽ कर भेदभाव एसन बदगुनगिला जेड़िआल आहेइक। उ सभगिला के गुचावेक खातिर बेटीछवा के सिक्खित कराटा बेजाइं दरकारी। सिक्खित हेले बेटीछवा निजेक नेग–चार, भाखा आर संस्कृति कर भहत के बुझे पारता आर बेटाछवाक बराबरीइं डांड़ाइ पारता। मटामटि आर खाटऽकरि कुहुन हामरा कहे पारियो जे

पढ़ावले बेटीछवाक आत्मबल बाढ़तेन आर नानानिगिद कामावेक हुनेइर सीखे पारता। अराक भभिसत कर डहर अरासरा हेइ जातेन आर आपन लुकाल गुनगिला परस्फुट हेइ जातेन। एहे नियार अरा समाज माहान आपन पहचान बनावे पारता। पढ़ल–लिखल बेटीछवाइ समयकर बेसनियार उपयोग करे पारत आर परिवार, समाज एबंग देसेक खातिर आपन कर्त्तव्य के बुझे पारबेथिक। देसकर एकताक तेहैं सोचे–बुझे पारता। अराक सर्वधर्म समभाव कर भावना बाढ़तेन। संकीर्णता आर क्षेत्रीयता ले उपर उठीकहन काम करता, इटाइं कनऽ दवा–भवा नेखेइक।

बेटीछवा के पढ़ावल जातेइक ताहेले अरा आबगा आपन लेइकेइ नि संचता बरंच गटा मुलुकेक लेइके बिचार करता। सेइमाहान हामरा के बेटी के जूनजूना पढ़ावा चाही। तरा इ जानीकुहुन हाइटाटका हेइ जाबेहे जे एखन हामराक देस माहान चाइरटी बेटीछवा माहान तीनटी बेटीछवाइं पढ़े–लिखे नि जानत। तऽ हामरा मटामटि भाभे कहे पारियो जे देसेक सुख, सान्ति आर समृद्धि बेटीछवा के पढ़ाइकुहुन हेइ पारेइक।

बाजार ले गाजाड़

एक धाऊँ मके घुरा-बेड़ा करेक हिंछा हेली। एसे तऽ घुराफेरा करेक बेजाइं धेइ रहेहेइक। केवे देस-दुनिया देखेलाइ घुरे जात, केवे आपन गेयान बाढ़ावेक तेहें। एहे नियार केवे दसर मुलुकेक नेग-चार, आचार-विचार, खान-पान, रहन-सहन, अढ़ान-पिंधानेक लेइके जानेक खातिर घुरे जात। पुरना पथिइं लिखल आहेइक जे नारद मुनि तीनों लोककर घुरा-फेरा करते रहे हेला। मर तेहें तऽ तीन लोक के बेढ़ावा, बुताक बाहेइर काथा। मर एतनाऊ खेमता नेखी जे इससागड़ाटा घुरे पारम। तबे रिचिक-आधेक आपन मुलुकटाकर घुराफेरा करँ, जेइं हामर माइभूइं हेकी। माइ-भूंइ कर दुख-दरद, आसा-भरसा, जानाटा, मायेक खेयाल राखाटा, पेति सपूतकर काम हेकेइक। काहे न एहे भूइंए हामरा जनम लेल अहियो, बाढ़लाइहो आर हामर लालन-पालन हियांइ हेइ। जदि मोंय हामर माइभूंइ गटाटाइ ना घुरे पारों, तऽ किछु न किछु जाइगा बेढ़ावों, देखों, जाकर संग मर मरन-जियनकर नाता जड़ल आहेइक। मोंय मने-मने तिरिज करलँ जे मके बाजार ले गाजाड़ बाटे एक धाऊँ जावा चाही।

एबार मोंय भाभे लागलँ जे किनाइं आर केसे घुरे जाम। बाइसिकले, भटभटिइं, मटरगाडीइं, गरूगाड़ीइं आर न हिंटी के। सात-पाँच भाभि के आखिर हिंटि के घुराटा मके बेस लागली। गाँधी बाबाक पद-जातरा मोंय पढ़ल रहों। अराक पैदल चलाय एखन ऐतिहासिक बनी गेल आहेइक। आइज-काइल हामर मुलुकेक नेताराउ राजनीतिक चेतना आनेक तेहें हिआँ- हुँआ हिंटि केइ जात। सेइ माहान अराक नाम खभर कागजे छापाइक। मरऽ बानछा रही जे जदि हिंटि के घुरल जाइक ताहेले लगे मरऽ चइ करता आर खभर-कागजे हामर नाम छापाति। तबे मने दवा-भवा रही जे हामर देसेक सौ महान नबे लग रजे हिंटिकेइ हिंआँ- हुआँ जाहात-आवहत, मनेक अराकर कनऽ चरचा नि हेइक। जे हेऊक एक दिन मोंय गाँव घुरेलाइ भिनसारेइ बाहरालों। चलते-चलते बेजाइं धुर गेलों। मर मने गाजाड़ेक लेइकें जानेक बेड़े हिंछा रही। बेजाइं धुर गेल परोऊ मर मनेक हुब कम हेली आर न कनऽ थकान-फेदान बुझाली। ना गात लरूआली आर ना मन। चलते-चलतें डहर माहान एकटा चासा लग संग भेंट हेली। अकर नाम रहेइक-जेठु। मोंय अके सुधियावलेइं-तबे जेठु भाइ, चासाराक किना आनार-बानार! जेठुइं कहलाक- पहिल हामराक खायेक, पिंधेक कनऽ कटकिना नि रही। कनऽ लग बेजार, बेयाराम नि हेइ हेला एखन

गाँव बदलले जाहेइक, बाजारेक हावा-बासात हिआँ तड़िक पहुँचलेक। हारेक जाइगाइं मिसिने खेत जताहेइक। आगु खेतेक आहार रहेइक गोबर। आइज गोबरेक अउजि खेते चीनी नियार जिनिस देवाहेइक, उटाक नाम मोंय नि कहे पारम। हाले-हाले हामर गाँवेक माहतक बेटाक बिहा हेलेइक। बिहाइं ससुरघार ले भटभटी संगे आरो बेजाइं जिनिस पावल आहे। इ एलाकाइं कनो गाँवे भटभटि नेखेइक। एहे भटभटि पाइके हामर गाँवेक सान, मान, गुमान बाढ़लेइक। लगे एबार बुझे पारला जे बेटाछवा के पढ़ावले ससुरघार ले सांगी जिनिस पावातेइक। एकटा दुखेक काथा जे हिंदे किंछु बछर ले भुंसड़िकर बाइड़ आइ गेल आहेइक। हामरा बनेक बाघ-भालू संगे लड़े पारियो मनतुक गाँवे ढुकल-मेड़ियाल भुंसड़ि संग निंहि। इ भुंसाड़िगिलाइं लग चिनथिन। एरा बेसीभागे चासाराकेइ चाबेहेथिन। मर भुंसड़िगिलाक लेइके जानेक हिंछा हेली। जेठु के सुधियावलेइं- आरे भाइ, भुंसड़ि मारेक दावाइ-बिरो बाजारे पावाइक। जेठुइं कहल-आगु नीमपात पड़ावले भुसड़ि पाड़ाइ हेला। मनतुक एखनुक भुंसड़ि दवाइयोऊ नि मरहत एहे फिकिरे चासाकर गात रूनाइ जाहेन।

भुंसड़िक काथा भाभते- भाभते मोंय आगुबाटे डहरले गेलँ। डहर धारे एकगाछ फेड़े मास्टरे छवा के पढ़ावे हेलेन। बेचारा मास्टर कर अढ़ान-पिंधान एकदम सीधा-सापटा रहेइक। मुंह, कान देखले बुझाइक जे औंय एखन मुरदार घाट ले आवल आहे। मोंय अके अकर गाँवेक लेइकोऊ पूछलेइं। तबे मास्टर बाबू-तराक गाँवकर किना हालचाल? मास्टर बाबूइं कातर मने जबाब देल-हामरा तऽ पुरखउति हिसाबेइ एखनोतड़िक छवारा के शिक्षा देते आइहोन। हामरा आपन परम्परा के जामजामाइ के धरी राखल आइहोक। आगुक आमले रिसी-मुनिराइं छवा के गाछ फेड़ेइ सिक्खा देइ हेलाथिन। हामराव अराक पाँजे-पाँजे चलेइहो। हामर एहे गुमान जे प्रकृतिकर खुला वातावरण माहान सिक्खा देले प्राकृतिक महत के बुझे पारबेथिक, प्रकृतिसंग घुलीमिली रहेक गेयान हेतेन। हामरा छाति उरनाइ के कहे पारियो जे गाँवेक मास्टरराइं हामर मुलुकेक रिसी-मुनिक परम्परा के बांचाइं राखल आथिक। मर मगजे रिसी-मुनिक परम्पराक काथा नि ढुकली। फेइर मास्टर बाबू के सरकार बाटेले तऽ इसकूल घार बनाइ देवेक बेबसथा आहेइक। मास्टर बाबूक जबाब रहेइक- तबे परम्परा काहाँ बांचतेइक? मास्टर बाबूक काथा मर गेदिंइ एसन ढुकली जेसन कादाइं पाखना ढुकेइक।

मने तिरिज करते-करते मोंय आगु बाटे डहरलौं। किछु धुरेक परे देखे पावलेइन जे एकटा डागर गाछेक फेड़े किछु लगे निझुम गाल-साल करहत। मोंय कहलेइन-जोहार भाइ, जोहार। अराव मके एके बारे सभेकाइ मिली के जोहार करला। काथा- बातराक बतरे मोंय पूछलेइन अराके-तबे तराक हिंदेक बानार किना? अरा कहला- किना कही देबियो भाइ, हामराक हिंआक पानीइं जोंख हेइ गेल आहात। कुआँ, चुआँ, पखेइर, जुड़िया सभे जाइगाक पानीइं जोंख छपलल आहात। पानी पिया बा सिनान कराटा दाइ हेइ गेल आही। एहे नि, सबरनाखाक पानियों जोंख हेइ गेल आहात। गाते लटकले इ जोंखे छाड़े हेथिन निहिं। अराक काथा सुनी के मोंय कहलेइन- तरा तऽ किछु लग जरूर पढ़ल-लिखल हेबेहे। गाते लटकल जोंख के चून देले मरी जात। अरा मके कहला-आ रे दादा, आंगु जोंख के चून देले मरी जाइ हेला। इ जुगेक जोंख के चून देल परे मरता किना, बरंच फुलि के ढाक हेइ जाहात। आइज वैज्ञानिक जुग हेकेइक न? सरकारे इ जोंखगिला के बेस भाभे आलन-पालन करल आहेन न?

भुसंड़ि आर जोंखेक काथा मर मगजे कुम्हारेक चाक नियार घुरे लागली। मनेक मर संग अराक असद नाइ। भाभते-भाभते फेइर चलले गेलौं। डहरमाहान एकटा नेता किसिमकर लग संग भेंट हेली। अकर चेहरा-महड़ा, अढ़ान-पिंधान देखले बुझाइ हेलेइक ओंय जरूर धनगर, मानगर आर पढ़ल-लिखल हेताक। ओंय रहे गाँवेक मुखिया। मके अकरो गाँवेक जानेक देखेक मन करली। मोंय मुखिया के गाँवेक आनार-बानार पूछलेंइ, तऽ ओयं कहल-हामर एलाकाइं एखन पाखीकर आक्रमण हेइ लागल आहेइक। हामर हियांक पाइख-पाखुड़, चेरेइ-चुनगुनि निडर हेइके चरी-बाझी खाइ हेला। आइज सभे दुबकी रहल आहात, आपन रइखा करेक खेमता नेखेन। मुखिया बाबूक काथाइं कातर आर राग दुइयो रहेइक। मोंयों जाने हेलों जे सिकरा एक सिकारी पाखी हेकत। तबे अरा निजेक जाइत-भाइ के काहे मारेहेथिन? भगमाने किना अराके एहे खातिर सिरजल आहेन? किना अराक सभाभ नि बदलाल जाइ पारेइक? मोंय मुखिया बाबू के कहलेइं- आछा, सभे पाइख-पाखुड़े मिली-मिसी सिकराकर बिरोध काहे नि करे हेथिक? मुखिया बाबूइं कहलाक-सिकराक बिरोध केसे करबेथिक, अराक संगे तऽ किछु दसर पाखियो मिलल आहात। मुखियाक काथा मर मगजे एसने घुरे लागली जेसन काठेक भीतरे गँड़र पका।

एहे भाभते-भाभते फेइर आगुबाटे जाइ लागलों न एकटा सीधा-साधा, लग संग भेंट हेली। ओंय रहे गीत जड़ेइया-कबि। मोंय अकरठीन ले किछु जानेक हांतिर पूछलेइं- तबे कबिजी, आइज-काइल तराक गीतेक विषय-वस्तु किना रहलेइक, कन-कन धरनेक गीत जड़िकुहुन समाज के गेयान देवेइहान? कबि बेचाराइं मुड़-कान गिराइ के जबाब देलाक। आगु हामरा प्रकृतिकर उपादान-गाछ बिरिछ, नेदी-नाला, लता-पता, घाघ-जुड़िया के साखी राखिकुहुन गीत सिरजे हेलियो। आइज न बन-झाड़ रहलेइक, न जुड़िया रहलेइक, न घाघ आर न नेदी। एसन बुझाहेइक साफाइ-अभियान कर खातिर बन-झाड़, गाछ-पात के काटिकुहुन साफ कराल जाहेइक। फूल-फर, छांहेइर देवेइआ गाछेक अउजिइं लागावल जाहेइक एसन गाछ जेटाइं, न फूल-फर आर न छांहेइर। एखन हामर मनेक भाभ थुंम माड़ी के आहेइक जेसन नेदी के टेकल परे अकर पानी थुंम माड़ी के रहेइेइक। गड़े काँटा गबचल नियार कबि महाशयकर काथा मर हिरदय माहान गबचली। कबिठीन ले बिदाइ लेइके मोंय एसन जाइगा पंहचलँ जहांक लग भुंज-भुंज केरिया। गटा गाते कोयलाक दाग हुआँ एकटा फिटफिट सादा लुगा पिंधल लग के देखी के मर बेजाइं अचरज हेली जे कुइला-केरिया लगेक मांझे इ केसे? इटाक कारन जानेक खातिर मोंय चाड़का लुगा पिंघल लग टाके नेहर हेइके पूछलेइं- तरा इ भुसुड़भुंड़ केरिया लगगिलाक माझे एसन देखाइहा जेसन एँधरिया राइते चाँद। ओंय मुचकी हांसी के जबाब देलाक। आखिर कोयलाक माझेइ तऽ हीरा रहेहेइक। अकर काथा मोंय बुझे पारलँ नि।

चली-चली मोंय थकी गेलों आर घार आवेलाइ मुहड़ोलों न देखेहेन जे लगेक एकटा गाहदी जुड़वाहि भुसड़ि, जोंख आर सिकरा पाखी के मारेक तेहैं बाहरालाहात। मोंय अरा के भेका हेइके मुटुर-मुटुक देखते रहलेन। मर बाजार ले गाजाड़ देखेक साधटा रही गेली।

आँइख रहेइत के काना

एक गाँवे फागु नामेक एकटा डागर चासा रहे। आठाल धनी। कनऽ जिनिसेक कमी नि रहेइक। घारे बाँइद आर डिमनी एसन भरल रहे हेलेइक जे चलेइक जाइगा निहि। एक बछर अरजले दुइ बछर खाइ कुलाइक। अकर दुइटा बेटा रथिक– सुखु आर दुखु। बेटागिला के बेड़े दुलार माहान पसलेन। जेसे–जेसे बाढ़ला, बयस कर अनुजाइं दुइयो भाइ के पढ़ेक तेहें पाठावलेन इसकुले। दुइयो भाइ एके संगे इसकुल आवा–जावा करत। सुखुइं तऽ पढ़बाये बेसी मन देइक। मनतुक दुखुइं घारेक बेदार सम्पति देखीकुहुन पढ़ेक टाइं धेयान नि देइ लागलेइक। ओंय भाभेइ जे घारे तऽ खायेक कनऽ कटकिना नेखी। मर बापेक आठाल धन। आखिर पेटेक हाँतिरे तऽ लग पढ़ा–लिखा करत। जखन पेटेक जाला नेखी तऽ पढ़ा–लिखाक दरकार किना। एसन भाभीकुहुन दुखुइं पढ़ेक खने करे लागल कनऽ नि कनऽ नागसा। बड़ऽ बेटा सुखु मेटरिक पास करल आर छटऽ बेटा दुखु पास नि करे पारल।

फागुक तेसटा रहेइक जे दुइयो भाइ अमान–समान पढ़ोत। ओंय आपन दुइयो बेटा के डाकलेन आर कहलेन– बेटा, मोंय सभ किछु देइ पारन। मनतुक पढ़ा–लिखाटा गरि के पियाइ नि पारम। मर जिनगानीइं जेतना पारबेहे–पढ़ा। विद्या धन एसन हेकेइक जे न कबऊ सिराइक, न हेजाइक आर ना लुटाइक। आइज हामर संग एतेक धन आही, काइल निहो रहे पारेइक। धन तऽ पानी हेकेइक एक जाइगाइं कबऊ डाँड़ाइ के नि रहे हेइक। किना ठेकान सभे दिन हामर एहे दसा रहती। तरा बुझ्धगर हेले हामर घारेक सान, मान, मरजाद बाड़ती। मोंय तऽ नेखँ पढ़ल, तबे तरा दुइयो भाइ दमतक पढ़ा–एहे हामर हिंछा।

बड़ऽ बेटा सुखु बापेक काथा मानिकुहुन बेजाइं रतऽ देइके पढ़े लागल। मनेक दुखुइं घारेक धन–सम्पति के जहीं राखे लागलेइक आर मने–मने भाभेइ जे मर नि पढ़लऊ कबऊ खायेक–पियेक टान नि हेती। एतेक जमीं–जाइगा आही। आखिर, पेटेक जालाइं लग पढ़त–लिखत।

गाँवेक लगेक मने हिसका बेसी। किछु लगे तिरिज करे लागला जे फागु तऽ एसेइ धनगर जदि एकर छवा पढ़ि–लिखी जाथिक ताहेले ओंय हेताक एबार मानगर। सेइ माहान अड़सी–पड़सीइं फागुक छटऽ बेटा दुखु के कान भरे लागलेथिक। कहलेथिक पढ़ा–लिखाइं फालतु किना खरच करबे।

पढ़ाइ-लिखाइए जे खरच हेतोउ, ऊ पइसा बांचाइ के तोंय दुइ-चाइर किता जमीं किने। तर बापे तर दादाक खातिर धान बेची कुहुन खरच करेइस। ऊ धाने तरऽ भाग आहोऊ। एखन तोंय हानता नि देबसिक तऽ सभे धान-धुर अके पढ़ाएक हाँतिर खरच करी देतेइक। एहे मका आहेइक तोंय बाप के आपन हिंसाक जमीं-जाइगा भाग लिहिं। लगेक हुचकावनिक काथा दुखुक मने एसन जेड़ियालेइक जेसन काँचा माटिइं काँड़ ढुकत आर गटा गाते एसन भेदलेइक जेसन चाड़का लुगाइं काली पसरेइक।

दुखु बापठीन गेलाक आर कहलेइक- बा, मर हिंसाक जमी मके भाग दे। सुखु तऽ सामलाती खरच माहान पढ़त। उटाइं मर किना फायदा? तोंय मर भागेक धान-धुर बेचीकहन पढ़ावबेसिक। जदि मके भाग ना दिस, ताहेले सुखुक खातिर पेति मासे जा खरच करबे अतनाटा मकोउ दे। मोंय आपन भाग कनऽ करँ।

दुखुक काथा सुनीकुहुन फागुक दिसा गुड्डुम हेलेइक। फागुइं बुझल केवे एके जरूर हुचकावल आथिक। ना हेले एकर मने एसन बिचार केसे मेड़िआलेइक। एबार हामर घार हेती भिदिड़भांग। घाम गारल धन पानीइं बहाइ जातेइक। फागुइं दुखु के कहलेइक- बेटा, मोंय तकोऊ तऽ पढ़ावे लाइ नि काँचलँ। सुखुतर भाइ हेकोउ। अकर पढ़ले तर मान- मरजाद बाढ़तऊ। हामर घारेक सान बाढ़ती। भाइए-भाइए साहाज्ज करा-करि नि हेबेहे तऽ घार-करना केसे टिकतेइक। एहे टाइ जाने- 'आपन काथाइं तरी आर परेक काथाइं मरी।' एसन कनऽ काम ना करें जेटाइं हामर नाम भेसताति।

बापेक काथा दुखुक मगजे नि ढुकलेइक जेसन मुड़रा मुड़े पानी नि थांभेइक। दुखुइं बाप के कहलेइक इ ससऽगड़ाइं केउ काकरऽ नाइं। सुखुइ कामावत खने किना मके देताक? सभ आपन-आपन भाइग लेइके जनमत। मोंय तऽ जानऽ- 'भाइ-भाइ न ठाइ-ठाइ।'

हुँदे सुखु पढ़ी-लिखी कुहुन बेस चाकरी पावल। घारे कनऽजिनिसेक टान नि रहे लागलेन। ओंययो दुखु के सामलात रहेलाइ बेजाइं कसनि करलाक। मनतुक दुखुइं काकरऽ काथा नि मानल। नारी-पारी के दुइयो भाइ के बिहा करि देलेन। बिहाक परे दुखु छिनगाइ गेलाक।

समय पाइराले गेलेइक। दुइयो भाइ आपन-आपन घार-संसार लेइके बसला। जारा एक पटाइं आँटला अरा आइज एकटा घारे नि आँटला। भाइग के दहाइ देइ के आपन डहरे डहरल दुखु। एक-एक करेइत के दुखुकर हेलथिक चाइरटी बेटी आर दुइ टा बेटा। बेटीइं मन नि भरलेइक। बेटी तऽ परदुआरि।

आइज आहात तऽ काइल निहि। मरल परे मुंहे आइग देतेइक कने? बेटा ना हेले सरगे जाइगा नि पावत। सेइ तेहें चाइर बेटिक परोउ दुइटा बेटा हेलथिक। दुखुक बिचार जे जाहाँ जन, ताहाँ धन' छवा-पुता तऽ भगमानेक देन। विधिक लिखल कने काटे पारेइ।

किछु बछर परे दुखुक छवा बड़ऽ हेइ गेलथिक। दिने-दिने घारेक खरच बाढ़ले गेलेइक। खायेक-पिंधेके हेइ लागलेक कटकिना। धान बेचीकुहुन कतेक करताक। कनऽ बछर चास हेइक तऽ कनऽ बछर नेहिं। छवा के पढ़ा-लिखा कराबेहेन सेटाक बाटे रिचिकऽ नि धेयान देलेइक। अकर बिचार एहे जे सवाँग रहले पाहाड़े भात। बेटा हेलथिक नाकारा। न कनऽ कामेक हुनेइर न कनऽ कामेक लुइर।

दस-बारह बछर बयस हेते-हेते बेटी के उठावेक फिरकिटि करे लागल। दिने-दिने बेटिक बिहाक चिन्ता- फिकिर बाढ़े लागलेइक। घरे तऽ पइसा कउड़ि नाइ। जमी ना बेचले बेटी के उधार करतेन केसे। राइत-दिन भाभनाइ खिआइ लागलेइक गात। मनेक फिकिर गुचावेक तेहें खाइ लागल मद। एक डाँटी माड़ेक जालाइं निते घारे हेइ लागलेन झागड़ा। सतऽखन घारे कचकच।

दुखुक दसा देखीकुहुन बापे कहलेइक -बेटा, तोंय तऽ नि पढ़ले मनतुक इ भूलटा फेइर ना करिस। पेट काटिकुहुन हेलोउ छवा के पढ़ावहिन। हामरा मदत करबियो। पढ़ले एरा आपन गड़े डाँड़ाता। तर मुड़ेक बझा हुलुक हेतोउ।

मनतुक जखन तड़िक लग ना ठेकत तखन तड़िक नि सीखत। दुखु तऽ आपन मनकर राजा, जे बुझाइक से करेइ।

दुखुइं बाप के कहलेइक- बेटी के पढ़ाइ-लिखाइ के किना हेतेइक। एरा तऽ पर दुआरि। केतनो पढ़ावले चुल्हा फुंकेइ हेतेन। एरा पढ़ता सेटा किना मके देइ राखता। एराक पिछऽने खरच कराटा फाउ। बेटी हेकत मुड़ेक बझा। मुड़ेक बझा चाँड़े गुचावलटाइ बेस हेकेइक। बर आवऽहत-बिहा देबेन। कहाल आहेइक 'आकालेक बर चाड़े बेटी बिदाइ कर'।

दुखुइं कची बयसेइ चाइरो बेटी के बिहा देइ देलेन। मनतुक इटाक फल किना हेतेइक सेटा जानेइ निहि। बेटी चाँड़ेइ छवेइल माइं हेइ लागलेथिक। मनतुक कनऽ बेटिक छवा नि बाँचे लागलेथिन। जनम तुराइ मरी जाथिन। बेटिइं गाते कबऊ सेनेइ धरे नी पारला। सतऽखन बेजार रहे लागलेथिक। जाहाँ डाक्टर-कबिराज कर दरकार हुँआ दुखु चाउर देखावे लाइ जाइ सखा-सखेइनेक

ठीन। सखाइं कही देलथिक -इटा बगड़ हेकेइक। असद-बाड़ीइं ठीक नि हेता। झाड़-फूंक, निमछाक दरकार। जमी बेचीकुहुन करावलेन झाड़ा-निमछा। फांसल दुखु सखा-अझा, गुनीक फरफंदे। आसते-आसते बेची सिरावल जमी। मनतुक बेटी ठीक नि हेलथिक। दिने-दिने बेटीइं गात छाड़े लागलेथिक। पइसाक टाने बेटीक दवाइ-बीरो नि करे पारल। किछु दिनेक परे चाइरो बेटी सेंसालेथिक। बेटा दुइयोऊ बँड़बंड़ हेइ गेलथिक। न पढ़ा-लिखा आर न कनऽ काम उदम। बापेक कहल पूछल लेत निहिं। पुरखौती जमी बेची कतेक दिन? बेटा-बेटीक फिकिरे दुखु डुबी रहे लागल मदे। एखन से जांगड़ाउ नाइ जे काम उदम करत। नून-माड़ेक जालाइं परेक घारे काम करे लागल उगाक-डुबा ले। ताउ अन जुटेइक तऽ लुगा नि। ढनके लागलाक पइसाक खातिर इ दुवाइरे-ले-ऊ दुवाइरे। एबार करत बा किना। इ बाइं चाबले ऊ बाइं दुखाइक।

हिंदे सुखुक रहन-सहन, ठाठ-बाट बारेक के बाढ़े लागलेइक। अकर परिवार बेड़े सुखे रहे लागलेथिक। ओंय आपन परिवार छटऽ राखल। एक बेटा आर एक बेटी। ओंय बेटा बेटीइं कनऽ फरक नि मानेइ। अकर बुझान जे समान भागे बेटा-बेटी के सिक्खा ना देले- न कनऽ घार सुघड़ हेतेइक आर ना परिवार। सुखी जीवन कर मूल जेइड़ हेकेइक सिक्खा। सेइ तेहें बेटा-बेटी दुइयो के इराइरि पढ़ावलेन। एखन अकर दुइयो छवाइं नौकरी करे हेथिक।

सुखुक परिवार के सुखी देखिकुहुन दुखुक मन कचटे लागलेइक। मनेक जाताक अकर पास केसे। नारी-पारी दुखु गेलाक बापठीन आर हाथ जड़ि के कहलेइक-बाप मके मिनाह करि दे। मोंय तर काथा ना मानिकुहुन एक बिता पेटेक जालाइं ढनकि भुलहों। मर नि हेइ तेलि एहे दसा। बेटी तऽ हेजाउबे करलेन, बेटाऊ जियंते हेला मरल समान। आँइख रहेइते हेला काना। आइज मर हेली दिनेइ आंधार। जमीं-जाइगा बेची कुहुन हेलों दिसाहारा। परिवार बहाली बिना पानीइं। बुझलँ सिक्खा बिनु काकरऽ पारांगत नाइ।

गाछ भगवान

कबऊ-कबऊ लगेक सभ किछु रहेइतकोऊ मने सानति नि रहे हेन। असने एकटा लग रहे बाइदडीह गाँवे। गाँवे लगेक पढ़ा-लिखा बेसी नि रहे हेन ताकर माने नि हेलेइक जे गाँवे बुइदगर लग नि रहऽहत। मटामटि भाभे कहाल जाइक पारेक जे पढ़ले -लिखलेइ बुइध हेइक, इटा सटीक काथा ना लागेइक।

अहे बाइदडीह गाँवे एकटा डागर चासा रहे। नाम रहेइक-धनिया। जेसन नाम तेसने रहे आठाल धनी। अकर जदि कमी रहेइक तऽ आवगा छवा-पुताक। छवा-पुताक जालाइं कनऽ रकमेक कसनि नि करे छाड़ल। जदि छवा जनमें हेलथिक तऽ जनमल तुराइ मरि जाइ हेलथिक। एहे फिकिरे अकर मन सतइखन उचट रहे हेलेइक। अकर घारे एकटा कामिया रहे हेलेइक। नाम रहेइक-बुधुवा। एक दिन धनियाक मन उचाट देखी के बुधवाइं सुधिवालेइक- बाबू, तहर मन एतेक उदास काहे? धनियाइं कहलेइक- एरे, बुधवा किना कहीं देबों। मर आइज तड़िक कनऽ रकमेक कटकिना नि हेल आही। भगवाने मके सभे नियार धन-दौलत देल आहे। देखें, मर एतेक गाय-बाछुर आहात, खेत-गठ आही, गाछ-बिरिछेक बागान आही, बड़ऽ-बड़ऽ बाँध-पखेइर आही। धनियाक काथा सुनीकुहुन बुधुवाइं कहलेइक-बाबू, 'जाकर गांइठे सना, ताकर फिकिर किना?' बुधुवा काथा सुनीकुहुन धनियाइं कहलेइक-मर सभ किछु आही तबे मर कुले बाती जरावेइया नेखत, एहे मर फिकिर। मोंय एसन किना पाप करल आहों जे जनम हेल तुराइ मर छवा मरी जाहात।

धनियाक काथा सुनीकुहुन बुधवाइं कहलेइक,- बाबू, कुसुमटिकराइं एकटा लग आहे। ओंय बेजाइं गुनी हेके। ओंय इ सभगिलाक लेइके किछु-किछु जानेइ। आस-पासे काकरऽ छवाक नेजेइर लागले बा भूते धरले, अके लगे डाकथिक। ओंय झाड़ी-फूंकी देले सभ बेस हेइ जात। अकर आपार नाम आहेइक। काहे न अके एक धांग डाकीकुहुन इटाक कनऽ असद बीरऽ पूछाल जाउक। धनियाक डाइन-भूते बिसास नि रहेइक, तावे बेटाक जालाइं बुधुवाक काथा मानीकुहुन गुनी के डाका करावलेइन। गुनीक नाम रहेइक गुनुवा। सभे नियार गुन जाने हेलाक। सेइ तेहें लगे अके गुनुवा कहे हेलथिक। धनियाक डाके गुनुवा पहँचल धनियाक घार। गुनीकर पहिल मंतर हेकेन घारेक चाउर देखा। ताकर परे घारेक माटिक परिख करा, ताकर परे कही देथिन घारेक गुन-दस। गुनुवाइं सभकिछु दांजल परे धनिया के कहलेइक -बाबू,

इटाक कनऽ असद बाड़ी नेखेइक। तबे एकटा काथा कहबन जदि मानबेहे हेले। धनियाक तऽ रहेइक छवा-पुताक दरकार। नारी-पारी के कहलेइक तोंय जेटा कहबे सेटा मोंय मानम। गुनुवाइं कहलेक-बाबू, तरा जदि, कनऽ गरीब लग संग सेहिया पाताइहा, ताहेले एकर परे तराक छवा बाँचे पारत। गुनुवाक काथा सुनीकुहुन धनियाइ भाभे लागल सरग-पाताल। ओंय एकटा धनगर, मानगर लग। गरीब लग संग सेहिया पातावाटा अकर तेहैं मछेक पानी हीन करा हेकेइक। धनगर लगेक सान, मान, आन भिनु रहे हेन। अरा सभकिछु करे पारत, पानी नियार टाका खरच करे, पारत मनतुक गरीब लग संग सेहिया जड़े नि पारत। बेजाइं तिरिज करल बादे धनियाइं गुनुवा के कहलेइक -गुनुवा, इ काथा छाड़िकुहुन मके जेटा करे कहबे, सेटा मानम आर करम। एसन कनऽ काम मोंय नि करम जेटाइं मर मान-गुमान धसकती। गुनुवा गुनीइं घनिया के कहलेइक- बाबू, तबे आर एकटा काथा कहम- जदि तरा करम गाछ संग सेहिया करिहा ताहेले तराक हिंछा पूरन हेतन। करम गाछ के आपन नियारे मान-सनमान देवे हेतोन। धनियाइं गुनुवाक काथा मानी कुहुन विधि-विधान, नेग-जगेक अनुजाइं करम गाछ संग सेहिया पातावल। संजोग कर काथा, एकर परे धनियाक छवा बांचे लागलेथिक। धनियाक मने हेलेइक बेजाइं हुब, पावल सरगेक सुख। निरधनियांइ धन देखेइक, दिनेइ देखेइ तारिया सेइ नियार धनियाक हेलेइक धँचर। छवा-पुता पाइकुहुन धनियाक मने बाढ़े लागलेइक टाकाक लास। कहाल गेल आहेइक- 'जेइं जतेक खाय, तेंइ ततेक लालाइ। दमतक धन रहेइतकोऊ धनियाइं एबार भाभे लागल छवाक हांतिर। टाका ढेरियावेक ढेउ उठे लागलेइक मने। टाका जहड़ावेक तेहैं करे लागल आरिगुरि। बागानेक गाछ के काटीकुहुन बेचे लागल टाकाक तेहैं। कहत गाछे आर माछे आहेइक आपार पइसा। गाछेक गाते हेलावल आपन टांगा। गाछेक पइसा अकर गड़तरे गिरे लागलेइक झारझाराइ के। ठीके कहत- मानुसेक पेट भरेक मनतुक मन नि भरेइक। अकर इ गाछ-बिरिछ काटा बेचा देखीकुहुन बुधुवाक हेलेइक दिशा गुड्डुम। ओंय नारी-पारी के आपन मलिक धनिया के कहलेइक- गाछ काटा छवा काटाक समान हेकेइक। एकटा छवा आलन-पालन करि के बाढ़ावले जे पुइन हेइक, अतना एकटा गाछ लागाइ के बाढ़ावले हेइक। मनतुक बुधुवाक काथा धनियाक मगजे नि ढुकलेइक। ओंय टाका जहड़ावेक खातिर रहलाक आपन ताले। गाछ काटि बेचे लागल निरदँदी। इटा देखी बुधुवाक अन्तर कांदे लागलेइक। केसे गाछ काटेक बारन करतेइक धनिया के। एहेटा मने-मने तिरिज करे लागल। हेनऽ संजग धनियाक बेटा हेलेइक

बेयाराम। कनऽ असद बीरऽ सुने नि लागलेइक। देहातेक लगेक मने रहे हेन अंध विश्वास। पहिल देखथिन डाइन-भूत। भालऽ हेइ लाइ जात अझा-गुनीक पास एबार धनिया के कहेक मका पावल बुधवाइं। बुधुवाइं ढेइर साहास धरी के कहलेइक धनिया के-बाबू, मोंय एकटा छटऽ लग, काथा कहम छटऽ। एहे जे तहर छवाटा बेयाराम हेल आहे, इटाक कारन हेलेइक गाछ काटा। मोंय तऽ पढ़ल-लिखल लग ना लागों, तबे लगेक मुहें सुनल आहों जे गाछ-बिरिछ माहान देपताकर बासा रहे हेन। सारेइ, करम, आम, महुआ, तुलसी, केला, कदम, बड़, पीपर गाछ माहान कनऽ न कनऽ देपताकर बासा रहेहेन। एहे नि तरा देखा, तुलसी एकटा छटऽ-मटऽ गाछ हेकेइक। हामरा अके घारेक आंगनाइं जतन करि राखियोक। एकर पूजा-सेवा नितदिन करियोक, एके हामरा पबितर मानियोक। एहे नियार एके निकासे बुधुवाइं कहे लागल, गाछेक महत के सर करल धनियाक पासे। बुधुवाइं कहे लागल बेजारे बातिक उठल लग नियार। बुधुवाक काथा सुनीकुहुन धनिआइं बुधुवा के इरखा मारि कहे लागलेइक-कहें, जतेक कहबे। पेट भरले सियार जेसन भूकत, तेसने भूकें। सियार भूकले काहुँ बादेइर फाटेइक? धनियाक काथा सुनीकुहुन बुधुवाक मन सुनी रिसालेइक। बातास पावले जेसन आइग लहकेक सेइ नियार बुधुवाक काथा बाढ़े लागलेइक। ओंय नि संचल रहे जे अकर गलाइं अके एसन काथा कहतेइक। ओंय निरदँदी कहे लागलेइक आपन गला धनिया के-बाबू एहे एक-एकटा गाछ लेइकुहुन बन हेल आहेइक। गाछ ले बेइरसा, बेइरसा ले अन आर अन लेइ मानुस-जीवन। मने भाभा, रिचिक तिरिज करा, गाछ गिरलेइक न जीवन मरलेइक। कहाल गेल आहेइक जाहाँ बन, ताहाँ धन। फाँड़ी देखा, हामर चार बनेइ नेजगल, बाढ़ल आर पसरल आही। सेइ हांतिर हामरा सारेइ, आम, महुआ, करम कर बेबाक पूजा करियो। रिसि-मुनिइं एहे बन भीतरेइ बासा लेइकुहुन एतेक बड़ऽ बड़ऽ पथि सिरजल आहात। भगवान रामे आर पांडबे एहे बनेक भीतरेइ पावल रहत बासा। बुधुवाक काथा सुनीकुहुन धनिया हेइ गेलाक हायटाटका। धनियाइं बुधुवाके आर रिचिक हुड़लेइक, कहे जेतना पारबे, आइज तर आबगास आहोउ। धनियाक काथा आलाची नियार बुधुवाक गाते लागलेइक। ओंय धनिया के निरदंदी कहे लागलेइक, सुना तबे। इ गाछेक बेजाइं काम, बेजाइं दाम। दतुन ले घार बनावेक साना-फाना तड़िक। मानुसेक आहार, पानीक सरजाम हेन एहे गाछ-बिरिछेइ। जतेक पाइख-पाखुड़, जीव-जन्तु आहात, सभेकाइ एहे बने पावत बासा। एहे गाछ, बिरिछ आर बन, मानुस आर जतेक जीवेक आसा, आसरा आर भरसा। जाहाँ बिजु बन हुआं आहेइक

आइग, पानी आर अन। जदि गाछ लहलह तऽ मानुसजीवन महमह। गाछे बादेइर के टेकी के बेइरसा करावेइक आर बेइरसाइ हेलेइक चासेक जेइड़। मोंय तऽ सुनल आहों- बिरिछ नि हेले वृष्टि निहि आर वृष्टि नि हेले सृष्टि निहिं। लगे कहत-देहातेक हावा आर डाकतरेक दवा बराबइर हकेइक। मर बुइद मटऽ मर काथा छटऽ। आइझ-काइल कारखानाइं हामराक गाँवेक बासात के खाराप करले जाहेइक। जदि गाछ बिरिछ ना रहेइक तबे हामरा बेसी दिन बांचे नि पारब। एहे गाछ हामर भगवान, एहे हेकेइक मानुसेक जीवन परान। बुधुवाक काथा धनियाक मगजे रसे-रसे ढुकले गेलेइक जेसन बालाइं पानी देले ढुकेइक। धनियाक गुमान हारहाराइ के ढही गेलेइक आर चललाक बुधुवाक काथाइं।

शिक्षा अखय धन

कनऽ एसन गाँव बा जाइगा नेखेइक जाहाँ धनी आर गरीब लग नि रहऽहत। कुसुमटिकरा नामेक गाँवे धनिया नामकर एकटा डाँटऽ चासा रहे। जेसन नाम तेसने आठाल धनी। अकर कनऽ रकमेक कटकिना नि रहेइक। गाँवेकर अहे सभ ले डागर, मानगर आर धनगर रहे। अकर चाइरटा बेटा रथिक। गाँवेक लगे अके बेजाइं माने हेलथिक। उ गाँवटाइं बेसी पढ़ल-लिखल लग नि रहत आर ना पढ़ा-लिखाक बाटे धेयान रहेन।

अहे गाँवे दुखिया नामेक एकटा छटऽमटऽ चासा रहे। कनऽ नियार दिन काटे हेलाक। मनतुक रहे निठाल कामिया। ओंय भाइगेक भरसाइं कबउ बसी नि रहलाक। अकर दुइटी बेटी रथिक- बुधनी आर करमी। अकर एकऽ टा बेटा नि रथिक तावे अकर मने कनऽ रकमेक फिकिर नि रहेइक। लगे अके इरखामारि कथिक जाकर बेटा नाइ ताकर सरगे जाइगा निहि। बेटाइ हेत बुढ़ान्ति समयेक ठेंगा। लगेक काथा के दुखियाइं एक काने सुनेइ आर दसर काने बाहराइ देइक। ओंय मने-मने ठानल बेटाक बेगर सरग जायेक अउजि एहे ससऽगड़ा के सरग बनावेक। अकर अनुजाइं बेटा-बेटी एक समान।

दुखियाइं पेट काटीकुहुन आपन दुइयो बेटी के पढ़ावे लागलेन। गाँवे लगेक हिसका बेसी रहेहेन। अड़सि-पड़सिइं कथिक-आरे, दुखिया तोंय तऽ मान-मरजादा के छाड़िकुहुन बेटी के बाहेइर पढ़े पाठावहेसिन। हामर गाँवेक बेटी-बहिन कबऊ घार ले नि बाहराल आहात। बेटी के पढ़ाइ-लिखाइ किना हेतोऊ? बेटी तऽ परदुवारी हेकत। आइज आहात, काइल निहि। केतनों पढ़ावले चुलहा फुंकेइ हेतेन। बेटी तऽ सभे किछु लेइके ससुर घार चली जाता। एराक पेछुइं घाम गारल धन खरच कराटा फाउ। तर ले मुरूख कने आहे। बेटी के पढ़ावेक अउजि ऊ पइसा-कउड़ि बाचाइकुहुन तोंय जमीं-जाइगा किने जेसे बुढ़ान्ति समये सुखे रहबे। बेटा रहे तेलथु तऽ सवांग नि चलेतेलउ तखन तर सेवा-संसार करे तेलथु आर मरल परे गति गंगा। जाकर बेटा निहि ताकर इ दुनियाइं आंधार। लगेक काथागिला दुखियाक मगजे नि दुकेइक जेसन मुड़रा मुड़े पानी नि थांभेइक। अकर विचार बेटी आर माटी समान। ओंय मने-मने भाभेइ-आपन काथाइं तरी आर परेक काथाइं मरी।

दुखियाइं नि मानल परेक काथा। पढ़ावे लागलेन बेटी के इराइरि। हिसकाइं गाँवेक लगे चइ करलेथिक गाँवेक मालिक धनिया के, जे हामर

गाँवेक बेटी-बहिन कबऊ घार ले बाहेइरे गड़ नि राखल आहात आर दुखियाक बेटीगिलि बाहेइर पढ़ेलाइ जाहेथिक। एइं हामर छवाक मान-मरजाद गुचावे लागल आहे। लगेक आझान-बाझान काथा सुनीकुहुन धनियाइं दुखिया के डाकलेइक आर कहलेइक- दुखु, तोंय काहे हामर घारेक मान-सनमान के बाहेइर करे लागल आहिस? बेटी-छवा घारेक शोभा हेकत। एरा के बाहेइर नि पाठावा चाही। तोंय जदि बेटीगिलि के पढ़ावे ना छाड़ाइ देसिन तऽ तके डंड़ देवाल जातेइक। ओंय दुखिया के आरो टिटकारी मारी कहलेइक- विधिक लिखल केवे मेटावे नि पारत। केतनो करले पारासेक तीने पात। धन-सम्पति आर बेटा भगवानेक देन हेकेइक। मके भगवाने एतना देल आहे जे मर छवा नि पढ़लोउ सात पीढ़ी बसी खाता। बेटा तऽ सना हेकत। जाकर गांइठे सना ताकर फिकिर किना। भाइगे ना रहले बेटा आर धन नि हेइग।

धनियाक काथागिला दुखियाक गाते कांचा माटिइं काँड़ा ढुकत सेइ नियार ढुकलेइक। धनियाक काथा सुनीकुहुन दुखिया जिउ जांती के रही गेल। कहत, गरीबेक राग पेटेइ पचेइक। दुखिया काकरऽ दांवने नि आवल। करे लागल आपन ताले काम। ओंय दुयो बेटी के दमतक पढ़ावे लागलेन। अकर एहे विचार जे बेटा-बेटी मानुसेक दुइ आंइख हेकेइक। बेटी-छवा के पढ़ावले आपन गड़े डाँड़ाता। बापेक बझ हुलुक हेतेइक। सइ न-सते पढ़ा-लिखा सिराल परे अकर दुयो बेटीइं बेस-बेस पाया पावला। दुखियाक मनेक आर मुड़ेक बझा हुलुक हेइ लागलेइक। एबार घारे कनऽ जिनिसेक टान निहि।

चँहट हेइ लागलेइक दुखियाक कुड़ियाक रंग-रूप। पूरन हेइ लागलेइक मनेक साध। टाकाक झेइड़ बरसे लागलेइक अकर घारे। अकर बेटीइं बुझे लागला जे जीवने पढ़ा-लिखाक धेइ आबगा टाका अरजाइ ना लागेइक। आबगासेक समये अरा गाँवेक आरो बेटी-छवा के पढ़ा-लिखा सिखावे लागलेथिन। शिक्षा कर महत कही देइ लागलेथिन। बुधनी आर करमीक काम देखी कुहुन हिसकुटलाहा लगेक हेलेन मुंह बन्द। गटा गाँवेक लग मने-मने रीझे हेइ लागला। दिने-दिने बाप बेटीक नाम जागे लागलेन आसे-पासे। दुखियाइं मने-मने तिरिज करेइ जे इ ससऽगड़ाइं नाम ले कनऽ जिनिस बड़ऽ नाइ। कामें आर नामे लग अमर हेत। लगे मान-सम्मान देइ लागलेथिक दुखिया के। अकर नाम-जस सुनी कुहुन धनिया डाहे पड़ी जाइ लागल।

धनेक गुमाने धनियाइं आपन छवागिला के नि पढ़ावलेन। जेसे-जेसे धनियाकर बेटागिला बाढ़लेथिक, सभेकर धंचर भिनु-भिनु हेइ लागलेन। धन

आर सवांगकर गरबे धनियाइं हेंठ नि देखे लागल। टुमपेति गाँवेक लग संग ठेस-बजड़ हेइ लागलेइक। हेइ लागलेइक टंठा-टंठी। अकर बेटागिलाक आचार-बेवहारे गाँवेक लग तिताइ गेला। चड़का लुगाइ बेड़े चाड़े काली पसरेइक सेइ नियार धनियाक मान-सनमान भेसताइ लागलेइक। गाँवेक लग संग हेइ लागलेइक मकरदमा। घाघर घेरा घेरलेथिक धनिया के गाँवेक लगे। मकरदमाइं आझबाझाइ गेल धनिया। पानी नियार बहे लागलेइक धन। मनेक अकर गुमान नि गेलेइक। धनियाइं इटा नि बुझे पारल जे हाँड़ी दरकले अकर पानी रसे-रसे जिजाइ जाइक।

धनियाक बेटाहुँ आपन-आपन धंचरेक अनुजाइं धन के उड़ावे लागलेथिक। फागुन मासे गाछेक पात-पालहा झड़ी जाइक सेइ नियार धनियाक धन सिराइ लागलेइक। राइत-दिन अकर घारे कलकल। बेटागिला छिनगालेथिक आर चलला आपन -आपन डहरे। कहत भाइ-भाइ न ठाइ -ठाइ। मान-गुमान बाँचावेक हाँतिर धनियाइं देइ लागलेइक टेपा। पांचेरेइक एकटि ईंट घसकले आसते-आसते सभे ईंटा गिरे लागत, सेइ रकम धनियाक परिवारेक ईंटा खड़के लागलेथिक। अकर धनेक आर सवांगेक बहबही हेलेइक भिदिड़भांग। इ बांइ चाबले उ बाइं दुखाइक। धन आर सवांगेक गुमान हारहाराइ के ढहि गेलेइक। ओंय गेलाक दुखियाक ठीन आर निरदंदी कहलेइक- दुखु, मके मिनाह करि दे। मोंय तके ढेइर उसट कहल रहों। किना कहीं देबों, आइज मर दिनेइ आंधार हेली। जमी-जाइगा बेचीकुहुन हेलों दिसाहारा। परिवार बहाली बिना पानीइं। आइज मोंय एक डाँटी माड़ेक जालाइं हेलों हटऽललऽ। बेटा रहेइतकउ नरके बास पावलों आर तोंय बेटा बिनु सरग पावले। एबार बुझलों शिक्षा कर बिनु काकरऽ पारांगत नाइ। शिक्षाक बेगर धन आर सवांग विनासकर जेइड़ हेइक। सुखी जीवनेक आधार हेकेइक शिक्षा। विद्या अखयधन हेकेइक। न कबउ सिराइक, न हेजाइक आर ना लुटाइक। तके देखी मर गुचली मनेक आंधार। बेटा -बेटी एक समान। गटा गाँवेक लगे कहे लागला जे नि जाइ कबउ मुड़तर ताके जाइ हेलेइक दुखियाक गड़तर। लगेक अन्तरे जाइगा पावल दुखियाइं आर गटा गाँवेक लग चलला अकरे डहरे।

धनेक गरब

मटामटि भाभे मानुस एहे मानिकुहुन चलत जे मानुसकर जनम करम आर भाइग भगवानेक हाँथे। सेइ माहान किछु लगे आपन जिनगानिक बेस आर मन्दऽ कर दस भाइग के देथिक। मनतुक किछु लग एसनऽ आहात जारा भाइग ले बेसी आपन करम के मानथिक आर भाइगकर भरसाइं गाढ़ीमारी के नि बसल रहऽहत। एसन लगगिला जिनगानिक धेइ के पूरन करेक खातिर निरदँदी खाटत। भाइगे लिखल डाँइड़गिला के मेटावेक हाँतिर कसनि करत।

कनऽ एसन गाँव बा जाइगा नेखेइक जाहाँ धनी आर गरीब लग नि रहऽहत। हुँड़ा नामेक गाँवे धनुवा नामकर एकटा आठाल धनी रहे। अकर चाइरटा बेटा। अकर एहे बिचार जे धन-सम्पति, छवा-पुता सभे भाइगेक लिखल हेकेइक। जेइं जेसन लेइके आवलाहे तेइं तेसने इ संसारे पावत आर जदि भाइगे नेखेइक ताहेले केतनो खाटले किछु नि पावत। जखन भगवानेइ इ ससऽगड़ा के बराबइर नि बनावे पारल आहेइक तखन मानुसेक किना बुता आहेन। पुरना काथाइं आहेइक- 'भाइगेक लेखा आर सांपेक जखा' के केवे टसकावे नि पारथिक।

अहे गाँवे दिनुवा नामेक एकटा बेजाइं गरीब लग रहे। एक बेरा अन जुटेइक तऽ एक बेरा निहि। नित लूटी आना नित कुटी खाना। मनेक रहे आपन धुनकर पाका। ओंय कबउ भाइगकर भरसाइं बसी नि रहलाक। ओंय मने ठानेइ जे करम आर कसनिक दारा भाइगेक डाँइड़ के मेटावल जाइ पारेइक। अकर अनुजाइं कामियाक पाहाड़े भात। अकर दुइटी बेटी रथिक। दुइयो बेटी के अमान-समान पढ़ावे लागलेन। गाँवेक लगे कथिक-आरे, दिनुवा, बेटी के पढ़ाइ-लिखाइ के किना हेतोऊ। एरा तऽ परदुवारी। आइज आथु, काइल निहि। केतनो पढ़ावले एरा के चुलहा फुंकेइ हेतेन। एरा पढ़ी-लिखी कुहुन जे टाका कामावता सेटा किना तके देबथु? सभे किछु लेइके त एरा ससुर घार चली जाता। एरा के पढ़ावेक अउजि उ टाकाटाइं तोंय जमी-जाइग किमबा घार-दुआइर बनाइस त सुखे रहबे। बेटा रहे तेलथु तऽ बुढ़ान्ति समये सेवा-सुसार करे तेलथु आर मरल परे गति गांगा। मनतुक लगेक काथा के दिनुवाइं एक काने सुनेइ आर दसर काने बाहराइ देइक। अकर बिचारे बेटी आर माटी समान।

पढ़ा-लिखा सिराल परे दिनुवाक बेटीइं पावलेथिक नकरी। एबार दिनुवाक घारे कनऽ जिनिसेक टान निहि। बदले लागलेइक अकर कुड़ियाक रूप रंग। अकर बेटिइं बुझे पारला जे पढ़ा-लिखाक धेइ आबगा टाका अरजाइ ना लागेइक। आबगासेक समये अरा गाँवेक बेटी छवाकऊ पढ़ा-लिखा सिखावे लागलेथिन। गाँवे जेड़ियाल बुराई, कुरीति, स्वास्थ्य, अंधविश्वास लेइकुहुन कही देइ लागलेथिन। दिने-दिने बाप बेटीक नाम जागे लागलेन गाँवे आर आसे-पासे। बेटीक काम देखीकुहुन दिनुवा मने-मने रीझे लागल। भाभे लागल संसारे नाम ले कनऽ जिनिस बड़ऽ नेहि। नामे आर कामेइ लग हेत अमर।

दिनुवाकर नाम चाइरो गिरदा पसरे लागलेइग। अकर नाम सुनीकुहुन धनुवाक मने डाह हेइ लागलेइक। औंय दिनुवा के इरखामारि कहेइक- कापाड़े ना रहले केतनऽ करले भाइग नि बदलेइक। मके भगवाने एतना देलाहे जे मर छवा नि पढ़लऊ सात-पीढ़ी बसी खाता। मर छवाक कबऊ नौकरी -चाकरीक दरकार नि हेतेन। बेटा तऽ सना हेकत। जाकर गांइठे सना ताकर फिकिर किना? भाइगे ना रहले बेटा आर धान नि हेइक। सेइ माहान औंय आपन छवागिलाके पढ़ावेक टाइं रिचिकऽ धेयान नि देलेइक।

जेसे-जेसे धनुवाकर चाइरो बेटा बाढ़े लागलेथिक। सभेकाकर धँचर भिनु-भिनु हेइ लागलेन। बड़ऽ बेटा मदनाइं धरलाक मदेक बतल। अकर आदत दिने-दिने एसन बाढ़े लागलेइक जेसन बेइरसाक दिने गाछ-पातेक डग बाढ़ेइक। मद एसन जिनिस हेकेइक जेइ आपन आर पर नि चिनहावेन।

एहे नियार धनुवाक मेझिला बेटा मधुवाकर डहर हेलेइक भिनु। अकर जुहा खेलेइक बाटे बेसी झूंक। दिन-राइत जुहाइं मातल रहेइ जेसन फूल माहान मधुमक्खी लटकी रहऽहत। अकर सेइंझला बेटा दिलुवा बड़ऽ दुइयो भाइ ले पेछुइं काहे रहत। औंय दुइयो ले दुइ डेग आगुवाइ के चले लागल। ऊ हेलाक बदचलन। गाते रहेइक भरपूर सवाँग। धन आर सवाँगेक गरबे हैंठ नि देखेइ। टुम पइरतेइ गाँवेक लग संग मारा-पीटा, झगड़ा आर ठंठा-ठंढी। गाँवेक बेटीछवा के कुनेजेइर देखेन। लगे अकर अन्याय देखीकुहुन थानाइं मकरदमा करि देलथिक। पुलिसे धरी लेगलेथिक दिलुवा के। मकरदमाइं आनखाइ खरच हेइ लागलेइक धनुवाक। लगेक पासे कहेइ- भालुक एकटा चुइल उपड़ले किना हेतेइक। मनतुक इटा नि जानेइ जे पानी राखल हाँड़ी दरकले पानी रसे-रसे जिजाइ जाइक।

धनुवाक सबले छटऽ बेटा कढ़िया हेलाक मनकर राजा। अकर काकरो संग कनऽ नाता निहि। अकर न कनऽ काम उदमेक धेयान न खायेक-पियेक ठेकान। गांजा-भांग खाइकुहुन रहेइ नि फिकिर।

चाइरो भाइए आपन-आपन धँचर आर धाधांक अनुज़ाइं खरच करे लागला। निहिक समये घारेक धान-चाउर बेचीकुहुन आपन धंधा के बढ़ावे लागलेथिक। घारेक धन बहे लागलेइक पानी नियार। फागुन मासे बिना बासाते गाछेक पात झड़ी सिराइक सेइ नियार धनुवाक धन सिराइ लागलेइक। धनुवाक चरितरे लागे लागलेइग दाग। बेइरसा मासे बादेइरे चाँद के ढांपी लेइक सेइ नियार बेटाक करमें धनुवाक नाम तपाइ लागलेइक। राइत-दिन घारे कलकल हेइ लागलेन। पाँचेइरेक एकटि ईंट खड़कले आसते-आसते सभे ईंट खड़की के गिरे लागत सेइ नियार धनुवाक परिवारेक ईंट खड़के लागलेथिक। अकर जे धनेक मानेक बहबही रहेइक, पानी रकम बही जाइ लागलेइक। सांगी पानी बहल जाइगाइं काइं बसेक अहे नियार धनुवाक घारे बदनामीकर काइं देखाइ लागलेइक। कनऽ सरकारी बाबू गाँवे आवले पहिल जाइ हेला धनुवाक घार। एबार सरकारी बाबू आवले जाइ लागला दीनुवाकर घार। दीनुवाक बेटी रथिक पढ़ल-लिखल। सरकारी काम हेले पुछाइर हेन अकर बेटीक। अकर नाम जागे लागलेइक बेटीक लेइ के।

एक दिन अराक गाँवे आवला बी. डी. ओ. साहेब। अरा पेहिल गेला दिनुवाक घार। इटा देखी के धनुवाकर मन कचटे लागलेइक। नि सहालेइक न चली गेलाक बी. डी. ओक पास। ओंय बी. डी. ओ. के पूछलेइक हजूर! मोंय गाँवेकर धनगर आर मानगर लग। मर दलान आही। दीनुवाक न भालऽ घार आहेइक आर न बसेक उठेक जाइगा। ताव तरा एकर घार आवलाइहा। बी. डी. ओइं कहलेइक- धनुवा मानहँ तर दलान आहोउ मनतुक तर ऊ दलाने काड़ा रहऽहथु आर दिनुवाक तऽ कुड़िया मनेक ऊ कुड़ियाइं रहऽहत मानुस।

बी. डी. ओक काथा धनुवाक मगजे असने ढुकलेइक जेसन बालाइं पानी। मनेक करत किना? अकर छवाइं घार के मुसाइं ऊँडु करत नियार भीतरे-भीतरे ढड़हर करि राखल आथिक। मूसाक खनाल जाइगांइ दांप देले गड़ भांसी जाइक सेइ नियार अकर घारेक दासा। ओंय जे खालाइं खाय हेलाक उटा के अकर घारेक मूसाइं छेंदा करी देल आथिक। अकर धनेक आर सवाँगेक गुमान हारहाराइ के ढही गेलेइक। धनुवा एखन बुझे पारल जे धन-जौबुन आढ़ाइ दिन। बुझे पारल जे धन बड़ऽ न पढ़ा-लिखा।

मकरी

डुमेइर बेड़ा एकटा छटऽमटऽ गाँव। हुआँ रहे हेलाक मेरखु नामेक एकटा मांझारी चासा। रहे तऽ साधारण लग, मनेक बिचार रहेइक ऊँचऽ। गाँवे पसरल जाहेइक से खाराप चलनगिला के देखीकुहुन अकर मन कचटे लागलेइक। ओंय मने-मने तिरिज करल जे कनऽ परिवार बा गाँव के आगुवाटे बाढ़ावेक हांतिर सिक्खाकर बेजाइं दरकार। सिक्खा ना हेले हामरा उन्नति नि करे पारब। अकर परिवार रहेइक छटऽ-एकटा बेटा आर एकही बेटी। बेटाक नाम रहेइक करमू आर बेटीक नाम रहेइक लखिया। ओंय पेट काटीकुहुन दुइयो छवा के दमतक पढ़ावलेन।

अहे गाँवे खुदिया नामेक एकटा बेड़े डागर चासा रहे। जेसन आठाल धनी तेसने परिवारऽ रहेइक बड़ऽ। अकर तीनटा बेटा आर पाँचटी बेटी रथिक। ओंय छवाक पढ़ा-लिखा बाटे रिचिकऽ धेयान नि देलेइक। अकर एहे बिचार जे- जाहाँ जन तहाँ धन। जेसे-जेसे छवा बाढ़लेथिक तेसे-तेसे अकर सवाँगकर गुमान हेइ लागलेइक। धन आर सवांग कबऊ कबऊ बिनास कर जेइड़ हेइक। ओंय सवांगेक गरबे हेठ नि देखे लागल। सवांग जरे गाँवेक लग के काम करावेन आर टुम परतेइ धिरावेन। अकर धँचर देखीकुहुन किछु दिन परे गाँवेक लग तिताइ गेला। अकर घारे काम-पाइट करे छाड़ी देलथिक।

चास-बास एसन काम हेकेइक जे दसर लगेक मदत ना हेले काम नि हेइक। लगेक बिनु एबार अकर खेत खिल रहे लागलेइक। गाँवे एक दसर कर मदतेइ बड़ऽ ले बड़ऽ काम करी सारत, चाहे चासेक काम हेउक बा बिहा-दान। गाँवे इ चलनटा अरियाक-पेरिया ले चलले आवला हेइक। घारे एक मूठा अन नि रहलोउ काकरऽ कनऽ काम नि अटकेन।

बड़ऽ हेले परे खुदियाक काथा अकर बेटाइं नि माने लागलेथिक। अराक धँचर हेलेन भिनु-भिनु। आपन मनेक अनुजांइ काम करे लागेथिक। भिनालेथिक सभे बेटा आर जमीन-जाइगाक हेलेन बँटवारा। खुदियाक घार हेलेइक भिदिड़भांग। पांचो बेटी के उठावेइत के सिरालेइक जमी-जाइगा। खुदियाक धनेक आर सवांगेक गरब हेलेइक चूर। गाँवेक लग संग चले लागलेइ टंठा-टंठी। साहाज्ज कर तेहें जाताक काकर पास। आगुए तऽ ओंय डहर हेराइ राखल आहे।

गाँवेक बसकइताक एहे बिसेसता आहेन जे दुखे-सुखे सभ एक हेत। मनतुक एखन गाँवे किछु एसन रग ढुकल आहेइक जेटाइं गात नियार फकुवाल जाहेइक। गाँवेक दसा दिने-दिने खाराप हेले जाहेइक। बिहाइं लेन-देन, जाइत- पाँइत, डाइन-भूत, अन्धविश्वास एसन रोगगिला काठे घुन ढुकत नियारे ढुकले जाहेइक आर गाँव के जरजर करी देहेइक। मनेक इ गिलाक बाटे कमे लगेक धेयान जाहेन।

गाँवे इ रोगगिला के ढुकल देखीकुहुन मेरखूक मने बेड़े कष्ट हेलेइक। ओंय भाभल जदि सभेकाइ आपन सोचों आर परेक नोचों करत ताहेले गाँवेक दसा किना हेतेइक। सेइ माहान ओंय आपन बेटा करमू के सुधिवालेइक- बेटा, तरा दुइयो भाइ- बहिन पढ़ल आहिया। एबार तरा किना करबेहे? करमूइं कहलेइक- बाप, मोंय तऽ नकरी करम। नकरी करिकुहुन आपार टाका कामावम। घार-दुवाइर बनावम आर हामरा सुखे रहब। मोके तऽ पइसा कामावे लाइये पढ़ावल आहिस। पइसा-कउड़ीक काथा सुनीकुहुन एक रिचिकेक जालायँ मेरखूक मन डगमगालेइक। एक बाटे टाकाक लभ तऽ दसर बाटे गाँवेक दसा। आखिर, अकर मन के टाकाइ टाने नि पारलेइक।

मेरखूइं बेटा के कहलेइक- बेटा, हामर हिंछा आही जे तोंय चासेक काम करें। जदि पढ़ि लिखिकुहुन सभेकाई नकरी करता, तऽ गाँवेक लग के कने देखतेन।

करमूइं बाप के कहलेइक- बाप, तोंय मोके पढ़ावले। इटा तर आपन करम आर धरम रहोव। एबार मोंय किना करम न नि करम, मर उपर छाड़ी देहिं। मरऽ तऽ आपन जिनगानीक लेइके जानेक बुझेक खेमऽता आही। मोर गाँवेक लग संग किना नाता? जेइं जेसन करत, तेइं तेसन पावत। कहत-चासे रूप नासे।

मेरखूइं करमू के कहलेइक- बेटा, पढ़ल-लिखल छवाइं एसन काथा नि कहत। गाँवे हामर माइ- भूंइ, गाँवेइ हामर मरन-जियन। गाँवे हामर सरग -नरक। गाँव ना हेले कनऽ मुलुक टिके नि पारेइक। गाँवे तऽ सभ काकर ठेघा। तोंय तऽ सिक्खित हेकिस। तोंय गाँवेक लग के नावाँ-नावाँ चास करेक हुनर सिखावहीन। जदि जिनगानिक धेइ आवगा टाका कामावा हेकेइक ताहेले देखबे जे चास माहान कनऽ नाफा आहेइक न नेखेइक।

बापेक काथा करमूक मगजे ढुकलेइक। रतऽ देइके चास- बासेक काम करे लागल। संगे-संगे खिल जाइगागिलाइं गाछ-बिरिछ लागावे लागल

आर गाँवेक लगकोउ इ नियार काम करेलाइ उसकावे लागलेइन। गाँवेक लग के बुझावलेन जे हामरा के नावाँ-नावाँ तरीका माहान चास करे हेती। हामरा के आपन-आपन जाइगाइ गाछ लागावे हेती। आइज हामरा ठीन पर्यावरण कर समस्या आही। कल-क़ारखानाइं हामराक वातावरण के खाराप करले जाहेइक। जदि गाछ-बिरिछ ना रहेइक तबे हामरा बेस हावा नि पावब आर बेसी दिन नि बांचब। कहाल गेल आहेइक-देहातेक हावा आर डाक्तर कर दवा।

करमूक काथा लगेक मने भेदलेन। गाँवेक सभे लगे अकर काथाक साइठे काम करे लागला।

हिंदे अकर बहिन लखियाइं गाँवेक बेटीछवा के फुरसेइत कर समये पढ़ावे-लिखावे सिखावे लागलेन। औंय बेटीछवा के बुझावेन जे जखन तड़िक बेटीछवा सिखित ना हेत तखन तड़िक न हामर घार सुघड़ हेती आर न गाँव। बेटाछवा आर बेटीछवा दुइयो समाजकर समान अंग आर सवांग हेकत। जे दिने बेटीछवाइं इटा बुझे बेटी पारता जे दहेज, जाइत-पाइंत, छुआछुत, डाइन- भूत, सखा-ओझागिला समाजेक रोग हेइक सेइ दिने उ समाज के आगुबाटे बाढ़ेक टाइं केवे टेकावे नि पारबेथिक।

दुइयो भाइ-बहिन आपन-आपन अनुजाइं काम करे लागला आर अराक डहरे डहरला गटा गाँवेक लग। किछु बछर परे गाँवेक रूप-रंग, चाइल-ढाइल, रहन-सहन, बदली गेलेइक। गाँवेक चाइरो बाटे खेत बारह मास देखाइ लागलेइक हेरिहर। सभे जाइगा गाछे-पाते हेलेइक परिपूरन। गाछ फले-फूले देखाइ लागलेइक झंझकार।

गाँवेक बदलल रूप देखीके मेरखूक मने आपार खुसी। बापेक कहल काथाक भाभ बुझे पारल करमूइं। करमूइ बाप के कहलेइक- बाप, एबार मोंय बुझे पारलो आपन भूलटा। ठीके कहत आपन काथाइं तरी आर परेक काथाइ मरी। आइज मर परतुक हेली जे- चाकरी ले बेस मकरी।

भरमकर भूत

एक गाँव माहान अकलु नामेक एकटा लग रहे। अकर जेसन नाम, करे हेलाक बेअकलेक काम। ओंय जे काथा सुनेइ उटा अकर मन माहान जाम-जामाइ के बसी जाइ हेलेइक।

जखन ओंय छटऽ रहे अकर बड़ऽ बाप ठीन ले केहनी सुनल रहे। अकर बड़ऽ मायें राजा-रानी, बाघ, भालू, सियार, बांदर आरो नाना रकमेक जीब-जन्तुक केहनी कही देल रहेइक। कबऊ-कबऊ भूत-प्रेतकर केहनी कही देल रहेइक। भूत-प्रेतकर केहनीगिला सुनी के अकर गातटा सिहरी उठेइक। भूतेक काथागिला के ओंय सांचा मानेइक आर जानेक हिंछा हेइक जे भूत केसन रहऽहत। एकबार ओंय बड़ऽ माइं के सुधिवाउलेइक- बड़माइं भूत केसन रहऽहत? बड़मायें कही देलेइक- मानुस ले डागर रहऽहत। झंपर -झंपर चुइल रहेहेन, मसतऽ, बड़ऽ बड़ऽ दांत, हांड़ी नियार केरिया-केरिया आइंख, कदाइर नियार नख आर बउगि नियार मुंड़। आछा बड़माइं-भूत रहऽहत काहाँ? बड़ मायें कही देलेइक- निचाल जाइगाक गाछे, गाड़हा-ढढ़हा आर पुरना भांगल-धसल घारे। आछा बड़माइं, मके आर एकटा काथा कही दे, भूत कखन देखे पावात। बड़ऽमायें कही देलेइक- भूत सतखन पावात-राइते, दिने, निचाल जाइगाइं। तबे जखन तोंय एकाइ रहबे। एहे भूतेक काथा कहते-कहते बड़ऽ मायें कही देलेइक जे चुरिन, पांच बहनीगिलाउ एक रकमेक भूत हेकत। एरा मानुस के एकाइ पावले भुलाइ राखथिन। इ सुनी के अकलु कबउ एकाइ दुपहरे खेत-गठ, टांइड- बाटे बेड़ावे नि जाइ। गरू चारावे गेले चुरिनेक डरे गरू के चांड़े घार लेले आनेन।

एहे नियार अकर बड़ऽ मायें कही देल रहेइक जे बांध-पखेइर माहान सिकली-आवला भूत रहऽहत। नहायेक समये बांधेक बेसी भीतर बाटे गेले सिकलीइं बांधी के भीतर बाटे टानी लेजथीन आर डुबाइ देथिन। एहे भूतेक डरे अकलु बांध नाहाइ नि जाइ। एक बार गरू धोवे बांध गेले रहे। भाभल जे मोंयो नहाइ लेउँ। बेचारा पेंइरे नि जाने हेल, जेसे-जेसे भीतर बाटे जाइ लागल रसे-रसे पानीइं अके टाने लागलेइक। तखन आउ-बाउ गागाइ लागल। अकर गागाल सुनी के लग दउड़ि आवला आर सुधिवालेथिक किना हेलोउ रे अकलु? किना कही देबोन भाइ, देखा न, मके सिकली आवला भूते भीतर बाटे टानी लेगेइस। अरा अके टानीटुना बाहरावलेथिक। अकलुइं कहलेन-

भाइगे तऽ तरा आवलेहे, नितऽ मके आइज इ भूते नि छाड़ेतेलाग। लगे कहथेलिग- आछा, तके सिकली आवला भूते टाने हेलोउ। देखे दे तऽ हामरा के, कन ठीन आहे। गटा बांधे हेली के देखले थिक। मनेक न सिकली पावालेइक आर न भूत। लगे कहलेथिक- बका नितऽ पेइँरे नि जानिस, सेइ तेहैं सांगी पानीइं तके भीतर बाटे टाने हेलोउ। इटा तर भरम कर भूत हेकोउ। मनतुक अखर काथाइं अकलुक परतुक नि हेलेइक।

एक बार अकलु के अकर बड़ऽ मांये कही देल रहेइक जे बरमभूत राइते आइग नियार जरत। सेइ तेहैं ओंय राइते काहुँ कनऽ आलऽ जरल देखे पावले डरे घार घुरी आवेइ आर लग के कही देन जे ओंय राइते बरम भूत देखल रहेइक। एक दिन अकलुक गरू हेजालेथिक। एबार करत किना? नारि-पारि गरू खजे बाहराल। अगहन मासेक राइत रहेइक। खेत अगरेआइं धंधौरा जरिकहन आइग तापे हेला। पंवार देले कखनो आइगटा बेसी रागे हुदकि उठेइक। आइग हुदकल देखी के अकलु दमतक रागे पाड़ाल। काहुँ गिरेइ तऽ काहूँ ढुसमेइ। कुकुर नियार डरे हाँफे लागल। कनऽ नियार घार पहँचल न घारेक लगे सुधिआउलेथिक-किना हेलोउ रे अकलु? अकलुइं कहलेइन-किना कही देबोन। अहे ठीन एकटा मसतऽ बरम भूत देखलेइं। लगे कहलेथिक-चाल न भाला, देखबेइक भूत टाके। अकलुइं कहलेइन-नि बाबा, मोंय नि जाम। किना मके आर बांचेक नेखी? हँ तऽ चाल न, ना बाबा मोंय नि जाम। लगे जाइके देखऽहत तऽ किछु लगे आइग जरि के तापे लागल आहात।

एक दिन कर काथा। अकलु गेले रहे हाट। सौदा-पानी किनेइत के हेलेइक आंधार। मने-मने भूतेक डर लागे लागलेइक। मनेक करत किना, एकाइ जे आहे। कारजा पुरऽ करि के आवे लागल घार। माछी आंधरा हेल रहेइक। गाँव ले किछु धुरे एक गड़हा रहेइक। अहे गाड़हा बाटे गाँवे छवा भूले गेल रहत आर डहर ले किछु फाराके बसल रहत। छवाक सभाभ तऽ जानबे करिहा। केउ सियार नियार गागाइ लागल, तऽ केउ फेकाइर नियार, तऽ केउ भालू नियार। अकलुइं भाभल सइ न सते इगिला भूत हेकत। ओंय सुनल रहे जे भूत भिनु-भिनु जानवर कर रावे गागात। आवाज सुनी के आगु देखेइ न पेछु, पुंइछ आलगाइ के पाड़ाल घार बाटे। करे लागल आऊ-बाऊ, भूत-भूत, भूत आऊ-बाऊ। राउ बेस नियार फुरछाइ नि लागलेइक। पाड़ाइत के गड़े खुंदाइ खसि गेलेइक धोती। आनगांइ गिरल जाइ के धाड़ाम ले आर घेंघाइ लागल। अकर घेंघाल सुनी लग दउड़ि ठांउ हेला। देखेहेथिक अकलु घामें

सरऽबरऽ, छाती करेहेइक सालेक चापुआ नियार धप-धप। लगे पूछलेथिक-किना हेलोउ रे अकलुवा? किना कही दबोन, मोंय बांचलों सेटाइ ढेइर। एक गादा भूत रहत आर भिनु-भिनु राउ बाहरावे हेला, अहे गाढ़ा पासे। एखनो बसल आहात। लग टांगी-ठेंगा लेइके हुआँ गेला तऽ देखेहथिन गाँविक छवा बसल आहात आर अराइ असन आवाज करे हेला। लगे कहलेथिक अरे अकलु भूत-तुत कनऽ नेखत तर मुड़ेइ भरम कर भूत बसल आहोव।

एबार पेतिकामें, पेति जाइगांइ अकलुइं देखे पावेन भूत। अकर तेहें सब बीमारीकर कारन हेत भूत। हेनऽ संजोग अकलुक बहु हेलेइक बेजार। जरे बातिकं उठलेइक, तखन अकर बहुइं इटा-सेटा बके लागली। अकलुइं भाभे लागल मर बहू के डाइने नेजरावल आथिक आर भूत चढ़ल आहेइक। भूत के गुचावेक खातिर बहूहारिक खाइट पेदाइं सेइरसा, चुइल आर सुखल मरिच राखी के पड़ावे लागल। मार धुंआइं अकर बहू हेइ लागली अकल-बिकल। बके लागली इटा-सेटा। कहे लागली आर नि बांचम, मके छाड़ी दे। अकलुक बिसास हेलेइक जे मर बहुक भूत चापल आहेइक नाहेले एसन केसे कहती। जखन धुआंक बासटा नि सहे पारे लागली तखन आरो रागे-रागे गागाइ लागली। अड़ोस-पड़ोस कर लग गागाल सुनी के जड़ऽ हेला आर गागायेक कारन पूछेलेथिक। अकलुइं कहलेइन- देखा, मर बहू के कनऽ डाइने नेजरावल आहेइक सेइ हांतिर भूत लागल आहेइक। ना हेले कबोउ एसन नि कहेइ। लगे कहलेथिक- अरे बका, मरीच पड़ल कर धुंगाटाक माहान तर बहुइं एसन कहऽहोउ। एकर नेजेइर-फेजेइर कनऽ नि लागेइक। एहे धुआं टाइ निक-सुख लगे रहे देले औंयो एसने बकत। भूत-तूत कन नि लागल आहेइक। इस सभगिला तर भरम कर भूत हेकोउ। तर मुड़े जे भरम कर भूत टा जाम-जामाइ के बसी रहल आहोउ अके गुचावलेइ सभ भूत पाड़ाता।

आर नि रहम (लोककथा)

लगे कहत सतजुग मर्होंन गाछ-पालहा, पाइख- पाखुड़, पाहाड़-परबत, नदी-नाला सभेकाइ काथा कहे हेला। इटा बेजाइं पुरना काथा हेकेइक। इ पड़ा-पिरथिमेक लगे काम-उदम नि करे हेला। बिना मुंह धइ के खात आर अदड़ांग हेइके संड़गी रहे हेला। लगेक धाधानी देखीकुहुन लखीमायं रागाइ के जाइ हेली। डहरे सबले पहिल अकर भेंट हेलेइक गहम संग। लखी मायेक मुंहटा गसवाल देखीकुहुन गहमें सुधिआवलेइक-

गहम- काहाँ जाहिस दीदी, एतेक अनगुते?

लखी- किना कही देबों बहिन, हिंयाक लगेक चाइल-चलन, ताक-तरन देखी के मर बेजाइं कष्ट हेल आही। सेइतेहें मोंय इ भूइं छाड़ीकुहुन सरग जाहों।

गहम- किना कष्ट हेलोउ बहिन? मके कही देबे, तबे न जानम।

लखी- तबे सुने बहिन, कान देइ के सुने। इ ससऽगड़ाक लगेक बेजाइं धाधानी हेल आहेन। देखें मके केसन-केसन करि के खाहात। केव खापरा पिठा करि के, केव गुड़ेक पीठा, केव छिलका, केव पात-पड़ा, तऽ केवे उंधि पीठा करी के। एतना करेइत माहानऊ आर किना न सांतापेक काथा जे भात रांधिकुहुन भूंए घांटि देहत आर रानु गुंड़ि सानि देइके हांड़िइं पचावहत। तीन-चाइर दिनेक परे जखन पचि जांव, तखन पिंजि-पिंजि मद बनावत आर खाहात। मके खाल परे हतभागाहारा काहुँ हेले लेउड़ि रहत ला। सेटा देखी के मर बेड़े कष्टऽ हेली, छाती फाटी गेली। सेइतेहें मोंय इ भूइ छाड़ीकुहुन पाराहों।

गहम- बड़ऽ दीदी, तोंय ना रागाइं। मोंय तर दुइ मासेक भार लेबों। मके लगे दुइ मास खाता। ताव तोंय ना जाइं।

लखी- ए बहिन, तोंय तऽ दुइ मासेक भार लेबे। आरऽ दस मास तऽ मर दुख रहबे करती। एतना कही के लखी मायं डहरे जाइ लागली। जाइत-जाइत जनहाइर संग भेंट हेलेइक।

जनहाइर- गड़ लागी दीदी! काहाँ जाहिस दीदी? आइज तर मनटा एतेक खाटऽ काहे? किना हेलोऊ तर?

लखी- मर कष्टक काथा किना कही देबों बहिन। मर कष्टक अर नेखी। पिरथिविक लगेक धाधानी मोंय सहे नि पारम। मके नाना-निगिज करि के खाहात। आरऽ तऽ आरऽ हेंड़िया बनाइ के खाहात। एहेटा मके सहाइस नि। सेइलाइ मोंय सरग जाहों।

जनहाइर- ए दीदी! तोंय मने दुख ना करें। मोंय एक मास तर भार लेम। गटा भादरटा। जदि तोंय हिंया ले पारबे हेले हिंयाकर जेतना जीव-जनतु आहात, सभे उफड़ि-उफड़ि मरता। मोंय तके नेहर करहँ, ताव तोंय ना जाइं।

लखी- तोंय एक मासेक भार लेवे आर गहमें दुइ मासेक भार लेत। ताव तऽ मर न मास कष्ट रहती। एतना कहीकुहुन लखी मायं आपन डहरे चलली। हेनऽ संजग लखी मायं कर भेंट गुंदली संग हेलेइक।

गुंदली- गड़ लागहँ दीदी! आइज बेड़े मने हिंदे जाइसला। तर मनटा पावाहोऊ नि।

लखी- आर किना कही देबों बहिन, दुखेक काथा। जे दिन ले मोंय इ भूइं माहान आवल आहों, से दिन ले मके नाना रकमेक सासति देत ला। मर दुखे रावन कांदेइस। मके नाना नियार करी के खाहात। एराक बिरताप देखीकुहुन मर मनटा उसट हेली। मोंय भूइं छाड़ी सरग जाहों। एतना कही के फेइर डहरे जाइ लागली। किछु खनेक परे बाजड़ा संग भेंट हेलेइक।

बाजड़ा- गड़ लागऽहं दीदी!

लखी- नीके रहें, भाइ।

बाजड़ा- काहाँ जाहिस दीदी? मकोऊ संगे लेजें न!

लखी- किना कही देबों भाइ रे! तोंय तर मर पीठेक भाइ। पीठेक भाइ आर गाँइठेक सना। तके केसे नि लेजबों।

बाजड़ा- मके बानारटा कही देबे, तबे न जाम। टाटकाइ एतेक सुधड़ भूइं छाड़ी काहाँ जाब?

लखी- तऽ सुने। मके मुंइएक लगे पीठा आर मद बनाइ के खाहात। सेइ हाँतिर मोंय भूइं छाड़ी सरग जाहों।

बाजड़ा- दीदी, मोंय तर गड़ धारऽहँ। तोंय इ भूइं छाड़ीकन काहुँ ना जाइं। ना हेले सभे लग मरी जाता। जेसन पानीक बिना माछेइर उफड़ि-उफड़ि मरत। मोंय तर आधा मासेक भार लेम।

लखी- बाजड़ा भाइ, तर काथाटा बेस। तोंय तऽ आधा मासेक भार लेबे। किना एहेटाइं मर दुख जाती। मोंय एकाइ हिंयाक लगेक ढड़हा भरे नि पारम। एसन कहीकुहुन लखी मायं जाइ लागली। रिचिक धूर गेल आही न दतुन संगे भेंट हेलेइक।

दतुन- काहाँ जाहिस दीदी? बेजाइं दिनेक परे तर संग देखा। कहें दुख-सुखेक काथा।

लखी- किना कही देबों दुखेक काथा। मके हिंयाक लगे बेड़े सासति देहत। लगेक धाधानी धरल आहेइन। एराक चाइल-चलनटा देखी के मर छातीटा फाटी जाइस। मोंय एबार सरग जाहों।

दतुन- मोंय एक बेसियाम टेक देबों। जेतना लग आहात, मके मुंहे ना लेले केवे नि खाता। दीदी, तके सरग नि जाइ हेतोऊ। सेइ तखन ले लगे मुंह दतुने धवे लागला। रिचिक धूर गेल बादे महुआ संग लखी मायेक भेंट हेलेइक।

महुआ- दीदी, आइज डहर बेंड़ाइले न किना? हिंदे देखऽहँ।

लखी- बिना कही देबों रे भाइ। मोंय इ भूइं छाड़ी कुहुन सरग जाहों। मके लगे मद बनावहत आर खाहात। सेटा मोंय सहे नि पारोहों।

महुआ- दीदी, मोंय तके बचन देहों। आइज ले तके मद नि बनावबथु। एबार मके मद बनावता। मोंय बड़ऽबड़ऽ मद बनावताहार कर घार सामाम। मकेइ मद बनाइ के खाता। तोंय इ भूइं, छाड़ीकुहुन काहुं ना जाइ।

दतुन आर महुआक काथा लखी माएँ मानली आर फेइर इ पिरथिबी घुरी आवली।

कन बिहाइं दुइ गड़े आरता

(आहनाइं लुकाल केहनी)

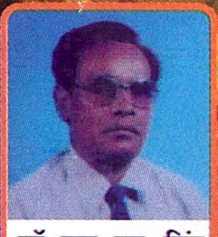
एकटा लगेक एकटी बेटी रहेइक आर अकर एकेटा गड़ रहेइक। सेइ जालायँ अकरठीन बेस बर नि आवे हेलथिक। ऊ छवाटीक बापेक भाभना लागलेइक जे किना रकम ओंय यकर बेटी के बिहा देतेइक। हेनऽ संजोक ऊ छवाटीक तेहें एकटा बर आवल। बरटा तऽ देखे-सुने बेस रहे। मन्तुक अकर एकटा गड़ नि रहेइक। सेटा केनियाइटीक बापे नि जाने हेलाक। ओंय बेड़े रीझे हेलाक जे मर लेंगड़ी बेटीक बेस बर पावल आहेइं। केनियाइ टी लेंगड़ी आही सेटा केनियाइ बापे बर के नि कही देलथिक। एखन बर घारेक लगोऊ सोचे लागला हामराक छवाटा तऽ लुलहा आहे आर हामरा भालऽ केनियाइ पावल आहियोक। दियो बाटे सोचे लागला जे हामरा अरा के ठकलियोन आर अरा सोचे लागला हामरा अरा के ठकलियोन। जा होऊक। दियो बाटे ले बिहा देवेक लाय राजी हेला। ताकर परे बिहाक लगन बाँधालेइक। बर बिहा करे गेलाक। बरटाक बर बाटेक लगे भाभे लागला जे जदि केनियाइ घारेक लगे जानता जे बरटाक एकेटा हाथ आहेइक हेले हामराक बदी हेती। सेइ जालायँ अरा बेड़े हुसियार रहे लागला। एखन बिहा सरल परे बर आर केनियाइ के खीर-भात खावावेक जालायँ घार झींकलेथीन आर खीर खाय लाय देलथीन। बरटाऊ बेड़े चालाक रहे। ओइं नेगा हाथे खाय लागलाक तखन केनियाइ घारेक बेटी छवाइं पूछलेथीक- नेगा हाँथे काहे खाइसला? बरटाइं ताड़ाक ले जबाब देलेन- "कन भाते दहिन हाँथ।" केनियाइ घारेक लगे जानी गेला कि बरटाक एकटा हाँथ आहेइक। एरा हमारा के ठकला। बिहा दान सरल परे बर के बिदाइ देलथीक। बर घार पहुँचल। वर केनियाइ के परछी के झींकलेथीन। एकटा नेग बाकी रहेइक। नाहाल परे केनियाइ के आरता पिंधावेक। नाइन आरता पिंधावेक जन्ये आवली। केनियाइ टीइं एकटा गड़ आरता लागावेलाइ देलेइक। बर घारेक बेटी छवाइं पूछलेथीक- एकेटा गड़े आरता काहे? लगदिनो बेड़े चालाकीइं जबाब देलेन- "कन बिहाइं दुइ गड़े आरता।"

चाँदेक बदी

एकटा गांवेक भीतरे कबोउ नि जिजाइक नियार छुटुमुटू पखेइर रहेइक। बनेकर जतेक पाइख-पाखुड़, जीव-जन्तुइं अहे पखेइरे पानी खाय हेला। एक दिन एक सिंहे पानी खाय हेलाक। ठीक अहे एकटा खेड़हाव अहे पखेइर पानी खायलाइ आवे हेलाक। सिंहे जेसेइ खेड़हाटा के देखे पावलेइक तेसेइ अके मारी मरावेक तेहैं मुड़े अलत हेल। मन्तुक सिंह के देखी के खेड़हाक जिउ उड़ी गेलेइक। ओंय पानी खाय लाइ पखेइर नि नाभल बरंच दउड़ी जाइ के एक सियारेक उँड़ुइं सामालाक। सांइझ हेलेइक तावे खेड़हा सियारेक उँड़ु ले नि बाहरालाक। जखन सियार आवल आर उँड़ु सामाल नऽ एकटा खेड़हा के बसल पावलेइक। सियार के देखी के खेड़हाक जिउ उड़ी गेलेइक। ओयं इ बिपद ले केसे बांचम सेटाक फिरकिटी करे लागल। ओंय सियार के फाटले कहलेइक- भाइ, तके बनेकर पाइख-पाखुड़ आर जतेक जीव-जन्तु आहात अरा तके राजा बनावबथु। सेइ माहान मके पाठावल आहात। अरा मके तके डाकी लेगे कहल आहात। तोंय एखने चाल। सियारे खेड़हाक इ काथाटा के आगु-पेछु ना भाभि के तुरुत ताबड़ उँड़ू ले बाहराइ के बन भीतर बाटे जाइ लागल बतर पाइ के हाँफी-हाँफी दउड़े सुरू करल। किछु खन परे पियासे छाटपाटाइ लागल।

अहे दिन रहेइंक पुर्णिमाक रात। चांद पानी नियार इजरो देखाइ हेली। चांद के पानीइं भरल पखेइर बुझीकहन खेड़हा दउड़े लागल हिंदे-हुंदे। बेचारा थकी गेल आर कादा माटीइं जाइ के आर मरी गेल। जखन खेड़हा मरी गेल तखन भगमाने चाँद केइ दसी मानलेइक। मरल खेड़हा बेजाइं दिन तड़िक माटीक उपरेइ पड़ी रहल रहे। एक दिन आचाकाइ धुंधबासाते खेड़हाक मरल गतरटा उड़ियाइ के चाँदेक गातेइ गिरलेइक। अहे खन ले एखन तड़िक चाँदेक गाते मरल खेड़हाक गतरटा लेपटी रहल आहेइक आर खेड़हा मरीकोउ अमर हेइके आहे। चांदेक गातेक केरिया दागगिला ताकरे चिनहा हेकेइक।





डॉ. एच. एन. सिंह

अन्य कृतियाँ

1. कुरमाली बोली के मुहावरे और लोकोक्तियाँ 1978
2. कुरमाली लोककथाओं की कथानक रूढ़ियाँ: एक अनुशीलन 2001
3. एहे डहरे 2008
4. सृष्टिधरेक गीत (सम्पादित) 2008
5. कुरमाली निबन्ध 2010
6. कुरमाली साहित्य : विविध संदर्भ 2010
7. कुरमाली लोककथाएँ 2013
8. कुरमाली मुहजरा आर आहना 2013
9. महीपाल (सम्पादित) 2013

ISBN : 978-93-84686-52-9 मूल्य: 120.00

संपर्क: लोअर बर्दवान कम्पाउण्ड, डाकघर – लालपुर, राँची– 834001 मो.– 9431596853